दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -165 जबलपुर, शनिवार 25 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

हिमाचल में दर्दनाक हादसा

कार पर गिरी चट्टानें, 13 लोगों की मौत, 2 यात्री घायल, गाड़ी में लगी आग

नई दिल्ली.(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के ट्राइबल जिला लाहौल-स्पीति में शुक्रवार को दोपहर के वक्त उदयपुर-किलाड़ सड़क पर कडू नाला के पास चलती गाड़ी पर लैंडस्लाइड हो गया. इसकी चपेट में टाटा सूमो टैक्सी आ गई. इसमें सवार 13 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो को सुरक्षित बचाया गया. इसकी पुष्टि भरमौर के विधायक डॉ. जनकराज ने की है.

डॉ. जनक राज ने बताया कि टाटा सूमो में कुल 15 लोग सवार थे. सभी पांगी क्षेत्र के रहने वाले हैं और कुल्लू से पांगी लौट रहे थे. इस दौरान कडू नाला के पास पहाड़ी से बड़ी बड़ी चट्टानें गाड़ी गिर गई. इससे ।ाक्र-01रू-2210 नंबर टाटा सूमो गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई. उन्होंने बताया कि हादसा इतना भीषण है कि मृतकों के शवों की पहचान भी मुश्किल हो गई है. पहाड़ी से चट्टानें गिरने के बाद गाड़ी के पिछले

हिस्से में आग लग गई, जिसे मौके पर मौजूद लोगों और जवानों ने बुझाने का प्रयास किया.

कडू नाला में बड़ी-बड़ी चट्टानें गाड़ी पर गिरी

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उदयपुर-किलाड़ सड़क पिछले दिन बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से बंद था. इससे सभी लोग अपनी गाड़ी समेत तिंदी में रुके हुए थे. आज सड़क बहाल होने के बाद वे पांगी की ओर रवाना हुए थे, तभी कडू नाला के पास अचानक पहाड़ी से बड़ी बड़ी चट्टानें गाड़ी पर गिरी.

राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए

भरमौर के विधायक जनक राज ने चंबा और लाहौल-स्पीति के डीसी से राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया है. पुलिस, प्रशासन और बचाव दल घटनास्थल पर अभियान में जुटे हुए हैं. उन्होंने बताया कि मृतकों में एक छह महीने का बच्चा भी शामिल है.मृतकों की अभी पहचान नहीं

फिलहाल मृतकों की आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी मृतक पांगी घाटी के निवासी बताए जा रहे हैं. प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है. लाहौल-स्पीति की डीएसपी रश्मि शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है. विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है. स्क लाहौल स्पीति शिवानी मेहला ने बताया कि गाड़ी में सवार 15 लोगों में से 13 की मौत हो गई है.

केंद्र सरकार ने सीजेपी की दो मांगों पर जताई सहमति, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर मांगा समय

नई दिल्ली. (आरएनएस)। कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार 24 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ बैठक हुई. बैठक के बाद आशुतोष रांका और सौरव दास ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मंत्रियों के साथ करीब 10 मिनट तक बैठक हुई. हमने सरकार के सामने तीन मांगें रखीं. पीड़ितों के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और छात्रों पर दर्ज किए गए केस को वापस लिया जाए. आशुतोष रांका ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या कैबिनेट से बर्खास्तगी के बिना कुछ भी हमें मंजूर नहीं होगा. सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर शनिवार दोपहर तक का समय मांगा है.

हमने सरकार को बता दिया है कि पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं. अगर जल्द ही धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा या बर्खास्तगी नहीं हुई तो आंदोलन और तेज होगा. इसके साथ ही काकरोच जनता पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन का आह्वान करेगी. हमें उम्मीद है कि सरकार धर्मेंद्र प्रधान को जल्द से जल्द हटाएगी. आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार ने नीट पेपर लीक के चलते आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा देने, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दर्ज एफआईआर और कानूनी मामलों को वापस लेने की दो मांगों पर सैद्धांतिक मंजूरी दी है. सरकार के प्रतिनिधियों से शनिवार को भी हमारी बैठक होगी. गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने गुरुवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की. केंद्रीय मंत्रियों ने लिखित आश्वासन दिया. इसके बाद वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह, लेह-लद्दाख की एपेक्स बॉडी के वरिष्ठ नेताओं, डॉक्टरों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में अपना अनशन तोड़ दिया.वहीं, शुक्रवार को जारी सोनम वांगचुक ने वीडियो संदेश में कहा, केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, डॉ. जितेंद्र सिंह और लेह-लद्दाख की शीर्ष संस्था के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मैंने आखिरकार 26 दिनों बाद अपना अनशन तोड़ा है. इससे पहले, अलग-अलग राजनीतिक दलों के 65 सांसदों ने मुझसे मिलकर या पत्र लिखकर अनशन तोड़ने का आग्रह किया और संसद में नीट पेपर और परीक्षाओं की प्रणाली पर चर्चा करने का आश्वासन दिया.सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन के समर्थन में 28 जून को अनशन शुरू किया था.

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/चंडीगढ़।(आरएनएस)। केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रहे रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है, जिसके साथ ही केंद्र सरकार में उनका मंत्री पद समाप्त हो गया है। पद छोड़ने के बाद बिट्टू ने स्पष्ट किया कि वह भारतीय जनता पार्टी के एक समर्पित सिपाही हैं और संगठन का हर निर्देश उनके लिए सर्वोपरि है। हालांकि, रवनीत सिंह बिट्टू के इस्तीफे को राजनीतिक जानकार दो तरह से देख रहे हैं। एक पंजाब में कमजोर होती भाजपा को चुनाव से पहले मजबूत करने की दिशा में अभी से बढ़ाया गया कदम। क्योंकि अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद पंजाब के किसानों में देखी जा रही नाराजगी ने भी भाजपा को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

छात्र आंदोलन के बीच एनटीए में बड़ा एक्शन, 47 अधिकारियों की सेवाएं समाप्त, आगे और होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली.(आरएनएस)। देशभर में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली को लेकर जारी छात्र आंदोलनों और परीक्षा प्रणाली पर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने एनटीए में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है. एजेंसी ने 47 अधिकारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं. यह कार्रवाई एनटीए में व्यापक सुधार अभियान का हिस्सा मानी जा रही है. अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में एजेंसी की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए कई अन्य सुधारात्मक कदम भी उठाए जाएंगे.

सूत्रों के अनुसार एनटीए में यह कार्रवाई परीक्षा प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से की गई है. हाल के वर्षों में पेपर लीक से जुड़े विवादों के कारण एजेंसी लगातार आलोचनाओं का सामना कर रही है. ऐसे में सरकार परीक्षा संचालन व्यवस्था को मजबूत बनाने और संस्थान में जवाबदेही तय करने की दिशा में बड़े बदलाव कर रही है. जानकारी के मुताबिक 47 अधिकारियों की सेवाएं समाप्त करने के अलावा कुछ अधिकारियों के खिलाफ कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी. जिन मामलों में गंभीर अनियमितताओं या अन्य आरोपों की जांच आवश्यक होगी, उनमें संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी. इस पूरे अभियान का उद्देश्य एनटीए में व्यापक परीक्षा सुधार लागू करना बताया जा रहा है. सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए संस्थागत स्तर पर बदलाव करने की दिशा में काम कर रही है. इस बीच 22 जुलाई को शिक्षा मंत्रालय ने लोकसभा में एनटीए की वर्तमान स्थिति से जुड़ी जानकारी भी साझा की थी. मंत्रालय ने बताया कि एजेंसी में स्वीकृत 39 स्थायी पदों के मुकाबले केवल 24 नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं. इसके अलावा एनटीए अपने कामकाज के लिए 73 संविदा कर्मचारियों और 124 आउटसोर्स कर्मियों पर भी निर्भर है.

रिजिजू ने कहा- हम चर्चा को तैयार, सदन चलने दें; राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश

संसद में बोलने से रोका, माइक बंद किया-राहुल

नई दिल्ली-(आरएनएस)। लोकसभा में नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- हम सदन में चर्चा को तैयार हैं। विपक्ष से अपील है कि सदन को चलने दें, राहुल गांधी अपने सांसदों को समझाएं। उधर राहुल ने आरोप लगाया कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है। मेरा माइक बंद कर दिया गया। विपक्षी सांसदों ने सदन में इस्तीफा-इस्तीफा के नारे लगाए। विपक्ष की मांग है कि, पीएम सदन में माफी मांगे और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाएं। इधर, गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश कर दिया। हालांकि यह अभी पारित नहीं हुआ। हंगामे के चलते दोनों सदन 27 जुलाई तक स्थगित कर दिए गए।

रेलवे के सीनियर डीएमएम को सीबीआई ने 1.70 लाख रुपये की रिश्त लेते रंगे हाथ किया अरेस्ट, ठेकेदार की शिकायत पर कार्रवाई

वाराणसी. (आरएनएस)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बनारस रेल मंडल में बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक (सीनियर डीएमएम) नितेश अग्रवाल को 1.70 लाख रुपये घूस लेते गिरफ्तार कर लिया. सीबीआई अब बैंक से जुड़े दस्तावेजों को खंगाल रही है. मिली जानकारी के अनुसार, सीनियर डीएमएम नितेश अग्रवाल ने रेलवे में फर्नीचर सप्लाई करने वाले एक ठेकेदार से बिल पास करने और ठेके के एवज में रिश्वत की मांग की थी. ठेकेदार ने इसकी शिकायत सीबीआई से की. शिकायत का सत्यापन करने के बाद सीबीआई की टीम ने जाल बिछाया और अधिकारी को रिश्वत की रकम लेते ही मौके पर दबोच लिया.अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की टीम देर रात से ही नितेश अग्रवाल के दफ्तर और सरकारी आवास सहित अन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है. सीबीआई की टीम अधिकारी के परिजनों और संबंधित कर्मचारियों से पूछताछ के साथ-साथ संपत्ति व बैंक खातों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को खंगाल रही है.

पीएम. मोदी का बड़ा ऐलान, बोले- दोषियों को जेल भेजा, त्वरित अदालतें भी गठित

संसद में आएगा कड़ा एंटी-पेपर लीक बिल

नई दिल्ली।(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि अगले हफ्तेसंसद में एक विधेयक पेश किया जाएगा, जिसमें प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ सख्त प्रावधान होंगे। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि विधेयक के मसौदे पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की होने वाली बैठक में चर्चा की जाएगी, जिसमें प्रस्तावित कानून को अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर देश भर के लाखों परीक्षार्थियों और अभिभावकों की चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक महत्वपूर्ण वीडियो संदेश के जरिए राष्ट्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट घोषणा की कि केंद्र सरकार अगले सप्ताह संसद में एक ऐतिहासिक और कड़ा विधेयक पेश करने जा रही है, जो परीक्षा माफिया और संगठित धोखाधड़ी के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि विधेयक के मसौदे पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की होने

वाली बैठक में चर्चा की जाएगी, जिसमें प्रस्तावित कानून को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा, '' मंत्रिमंडल शुक्रवार को प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर चर्चा करेगी और मंत्रिपरिषद के सहयोगियों के सुझावों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।''

मोदी ने कहा, ''सोमवार को जब संसद के मॉनसून सत्र का दूसरा हफ्ता शुरू होगा, तो प्रश्नपत्र लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई के प्रावधानों वाला एक विधेयक लाया जाएगा और हम उसे जल्द से जल्द पारित कराने की कोशिश करेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें ज्ञात है कि प्रश्नपत्र लीक कोई छोटी समस्या नहीं है और लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए ऐसी घटनाएं बेहद कष्टदायक होती हैं।

पेपर लीक पर देर रात पीएम मोदी ने जारी किया वीडियो, 5 प्वाइंट में समझें उनके संबोधन की 5 बड़ी बातें

नई दिल्ली। पेपर लीक की घटनाओं पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देर रात 11:52 बजे एक वीडियो संदेश जारी कर देश को संबोधित किया। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि लाखों छात्रों और उनके परिजनों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई महीनों में इस दिशा में कई कड़े कदम उठाए गए हैं और आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता छात्रों के एक बहुमूल्य साल को बचाना थी। इसी सोच के साथ बेहद कम समय में पूरी प्रशासनिक शक्ति लगाकर 22 लाख परीक्षार्थियों के लिए दोबारा परीक्षा का सफल आयोजन कराया गया, जिसके नतीजे 19 जुलाई को घोषित कर दिए गए हैं। छात्रों और अभिभावकों का दर्द सर्वोपरि- प्रधानमंत्री ने माना कि पेपर लीक कोई सामान्य घटना नहीं है, बल्कि यह लाखों परिवारों के लिए एक अत्यंत कष्टदायक अनुभव है। 22 लाख छात्रों का भविष्य बचाया- युवाओं का साल खराब होने से बचाने के लिए तुरंत परीक्षाएं आयोजित की गईं और रिकॉर्ड समय में नतीजे जारी कर उत्तीर्ण छात्रों को राहत दी गई।

उन्होंने कहा कि इसलिए, जब से नीट प्रश्नपत्र लीक के आरोप सामने आए हैं (करीब ढाई महीने पहले)तब से कई कड़े कदम उठाए गए हैं। मोदी ने कहा, ''दोषियों को पकड़ लिया गया है। वे अब जेल में हैं। हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह सुनिशचित करना था कि छात्रों का एक साल बर्बाद न हो। तुरंत परीक्षा कराना आवश्यक था। सभी संसाधनों का इस्तेमाल करके, सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि 22 लाख छात्र दोबारा परीक्षा में शामिल हो सकें।'' उन्होंने कहा कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दोबारा आयोजित की गई नीट के नतीजे 19 जुलाई को घोषित किए गए और पूरे भारत से सफल उम्मीदवारों की खुशी की खबरें आई हैं।

जवाबदेही मांगने वाले छात्रों के साथ राष्ट्र के दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही मोदी सरकार- सोनिया गांधी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार को केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार पर बड़ा हमला बोला है। देश के छात्रों और युवाओं के विरोध प्रदर्शनों के बीच सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि देश के अभ्यर्थी शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार उनके साहस का जवाब कायरता और अकारण क्रूरता से दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों को देश का भविष्य मानने के बजाय उनके साथ राष्ट्र के दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। अंग्रेजी समाचार पत्र द हिंदू में प्रकाशित अपने लेख 'शिक्षा व्यवस्था का पतन, युवा भारत की पीड़ा' में सोनिया गांधी ने देश की वर्तमान शिक्षा प्रणाली, प्रशासनिक रवैये और पुलिसिया कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। भारतीयवायु सेना भर्ती

सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों को देश का भविष्य मानने के बजाए उनके साथ राष्ट्र के दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्होंने सरकार पर भारत की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश के छात्रों ने मोदी सरकार के दावों की पोल खोल दी है।

सोनिया गांधी ने कहा कि छात्रों के साथ खड़ा होना और उनके भविष्य की रक्षा करना नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक दायित्व है। 'शिक्षा व्यवस्था का पतन, युवा भारत की पीड़ा' शीर्षक से 'द हिंदू' अखबार में प्रकाशित अपने लेख में सोनिया गांधी ने कहा, ''छात्रों का आंदोलन एक-दूसरे से जुड़े दो कारणों का स्वाभाविक परिणाम है- पहला, आज की ऐसी शिक्षा व्यवस्था, जो युवाओं में केवल निराशा पैदा करती है और दूसरा, मोदी सरकार का वही परिचित अहंकार तथा जवाबदेही तय करने या रचनात्मक कदम उठाने से उसका लगातार इनकार।'' उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री के प्रत्यक्ष अधिकार क्षेत्र में कार्यरत पुलिसकर्मियों द्वारा छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई ''बर्बरता'' इस सरकार के लिए कोई नयी बात नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम सभी को अच्छी तरह याद है कि 2020 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम-राष्ट्रीय नागरिक पंजी (सीएए-एनआरसी) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान सशस्त्र पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने विश्वविद्यालय परिसरों में किस तरह कार्रवाई की थी।

राजगढ़ में मंत्री के कार्यक्रम में बवाल, कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत अध्यक्ष को बुजुर्ग ने जड़ा थप्पड़, कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

राजगढ़।(आरएनएस)। जिले के नरसिंहगढ़ शहर में सांदीपनी स्कूल के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह व उपाध्यक्ष पर्वत यादव को पुलिस ने कार्यक्रम के बाहर रोक लिया। जैसे-तैसे कार्यक्रम स्थल पहुंचे तो मंच के सामने जमीन पर बैठ गए। उन्हें ऊपर बुलाया तो कुछ देर बाद हंगामा शुरू हो गया व भीड़ जमा हो गई।

बुजुर्ग ने जिला पंचायत अध्यक्ष को थप्पड़ जड़ा पुलिस अध्यक्ष, उपाध्यक्ष को थाने ले जाने लगी, तब ही भीड़ में मौजूद एक बुजुर्ग ने जिला पंचायत अध्यक्ष को थप्पड़ जड़ दिया। खास बात यह है जिस समय थप्पड़ मारा उस उस आयोजन में प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा व पुलिस भी मौजूद थी।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना घमापुर में दोपहर में धर्मपाल सिंह राजपूत उम्र 56 वर्ष निवासी समदड़िया ग्रीन सिटी माढ़ोताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह आटो चलाता है आज सुबह लगभग 9-30 बजे से 9-45 बजे करिया पाथर मरघटाई खारी विसर्जन कार्यक्रम में आया था जैसे ही काली मंदिर मरघटाई के पास पहुँचा तभी सामने से काले रंग की पल्सर मोटर सायकल में 3 लड़कों ने उसे घेर लिया एक लड़के ने देशी कट्टा निकालकर उसे अड़ा दिया तथा अन्य लड़कों ने उससे छीना झपटी किये तथा एक लड़का उसकी स्कूटी एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेड बी 2684 छीनकर भाग गया जो

पालन न करने की स्थिति में भारी दण्ड का भी है प्रावधान, आप सभी हमारे देवतुल्य हैं, अनुरोध है नियमों का पालन कर शहर को साफ, स्वच्छ, सुन्दर रखने में करें सहयोग- संस्कारधानी की शाख में वृद्धि करने हमेशा करते रहेंगे साकारात्मक कार्य

देवतुल्य नागरिकों के सहयोग से जबलपुर की पहचान पूरे देश में हुई गौरवान्वित - महापौर अन्नू

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देश के नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर रहे, यह सरकारों की प्राथमिक मंशा है। विशेषकर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के द्वारा इसके लिए सतत् प्रयास किये जा रहे हैं तथा योजनाएँ क्रियान्वित कराई जा रही है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 लागू करने तथा उसका पालन करने के संबंध में आमजनमानस में जागरूकता फैलाने तथा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने यह भी बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए हमारे आस-पास स्वच्छता का होना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यशाला के दौरान महापौर श्री अन्नू ने जबलपुर की विशिष्ट उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जबलपुर देश के उन गिने-चुने सौभाग्यशाली शहरों में शामिल है, जहाँ कचरे से बिजली का उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शहर के जागरूक और देवतुल्य नागरिकों को देते हुए कहा कि जनता के निरंतर सहयोग से ही जबलपुर की पहचान आज राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुई है।

1 अप्रैल से लागू है ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने जानकारी दी कि शहर में 1 अप्रैल से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 प्रभावी रूप से लागू हो चुका है, जिसका पालन करना हम सभी नागरिकों का नैतिक एवं कानूनी दायित्व है। उन्होंने बताया कि नियमों के अंतर्गत उल्लंघन करने पर दंड का प्रावधान भी किया गया है, परंतु निगम की प्राथमिकता दंडात्मक कार्रवाई के स्थान पर जन-सहयोग प्राप्त करना है। महापौर ने सहृदयतापूर्वक अपील करते हुए कहा कि आप सभी हमारे देवतुल्य नागरिक हैं। हमारा आपसे विनम्र अनुरोध है कि स्वच्छता नियमों का सहर्ष पालन करें और अपने शहर को साफ, स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में नगर प्रशासन का हाथ बटाएं।

संस्कारधानी की साख बढ़ाने निरंतर जारी रहेंगे सकारात्मक प्रयास

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने विश्वास व्यक्त किया कि संस्कारधानी जबलपुर की साख और गौरव में वृद्धि के लिए नगर निगम हर संभव सकारात्मक कार्य करता रहेगा। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का संकल्प दिलाया गया।

थोक कचरा उत्पादकों के कर्तव्य

महापौर श्री अन्नू ने कहा कि थोक कचरा उत्पादकों के कर्तव्य है कि परिसर में पर्याप्त संख्या में रंग कोडित डस्टबिन उपलब्ध हों, कर्मचारियों, निवासियों एवं आगंतुकों को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक किया जाए, अधिकृत एजेंसी के माध्यम से नियमित संग्रहण एवं परिवहन सुनिश्चित किया जाए, आवश्यकतानुसार रिकार्ड एवं जानकारी स्थानीय निकाय को उपलब्ध कराई जाए, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अधिकतम रीसाइक्लिंग हेतु भेजा जाए तथा लैंडफिल पर निर्भरता कम की जाए, नियमों का उल्लंघन होने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। महापौर श्री अन्नू ने बताया कि बल्क वेस्ट जनरेटर्स को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकारिक बेबसाइट पर पंजीयन भी कराना अनिवार्य होगा।

कार्यशाला में होटल, रेस्टोरेन्ट, अस्पताल, मैरिज गार्डन, कैटरिंग, एसोसिएशन तथा रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसायटी के अलावा अन्य लोगों ने भाग लेकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रावधानों की जानकारी ली और पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, के साथ नगर निगम के सभी अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, एवं विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

आजादी के महानायक चंद्रशेखर आजाद जन्मोत्सव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गूँज ब्राह्मण मंच की आयोजना पंडित मनीष दुबे श्रीमती माधुरी मिश्रा डॉ अनिल बाजपेई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जैसे ही अर्चना गोस्वामी जी ने ए मेरे वतन के लोगों ....वंदे मातरम...... गीत गया पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठाद्य मां तुझे सलाम ......होठों पर सच्चाई रहती है .....देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान ......ऐसी देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिलकिस दुबे रही , अध्यक्षता डॉ हरिशंकर दुबे जी द्वारा की गई विशिष्ट अतिथि डॉ. बैजनाथ गौतम , पंडित रूद्रदत्त दुबे ,ए.पी सूर्यकांत ,ने सभी कला साधकों की जमकर तारीफ की, कलाकारों को चंद्रशेखर आजाद सम्मान से सम्मानित किया गया अर्चना गोस्वामी ,सुमन अग्रवाल, पुरुषोत्तम शर्मा, अनिल बाजपेई ,मोहित मिश्रा, कमल बघेल ,दिलीप कोरी , मयंक विश्वकर्मा डॉ. कृष्ण कुमार दुबे ,मृदुला शर्मा डॉ,अनिल बाजपेयी मदन गोपाल डॉ, रेणु पांडे पुर्वाभाषा मिली खोखले हरीश चौरसिया ,सुमन चौरसिया, विनीता पैगवार मदन गोपाल ,मनीष श्रीवास्तव ,संध्या जैन ,राजेश अग्रवाल सभी कलाकारों को गूँज संस्था द्वारा चंद्रशेखर आजाद सम्मान से सम्मान से सम्मानित किया गया साथ ही बच्चों की प्रस्तुतियां भी शानदार रही भारत तेरी जय हो ... गीत की प्रस्तुति नचिकेता विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई द्य आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित रहे राजेश पाठक प्रवीण सुरेश विचित्र अभिमन्यु जैन , मीना हरि प्रसन्न त्रिपाठी कार्यक्रम का संचालन श्रीमती माधुरी मिश्रा के द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन विवेक शुक्ला के द्वारा किया गया

आयरन ओर लोडिंग में 39 प्रतिशत एवं फर्टिलाइजर में 31 प्रतिशत की वृद्धि

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल पर गुड्स ट्रैफिक एवं कमोडिटी वाइज फ्रेट लोडिंग बढ़ाने के उद्देश्य से निरंतर मॉनिटरिंग एवं समय-समय पर विभिन्न बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों में कमोडिटी वाइज फ्रेट लोडिंग बढ़ाने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने जून माह 2026 में कुल 05.46 मिलियन टन फ्रेट लोडिंग करते हुए 547 करोड़ 57 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

जून 2026 में विभिन्न कमोडिटी लोडिंग में पश्चिम मध्य रेल द्वारा निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त की गईं हैं :-

लौह अयस्क (आयरन ओर) लोडिंग में 0.12 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 38.82 प्रतिशत अधिक है। फर्टिलाइजर (उर्वरक) लोडिंग में 0.43 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 30.77 प्रतिशत अधिक है। क्लिंकर लोडिंग में 1.02 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 20.62 प्रतिशत अधिक है।

कंटेनर लोडिंग में 0.10 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 6.59 प्रतिशत अधिक है। फूड ग्रेन लोडिंग में 0.36 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 1.11 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा फ्रेट लोडिंग एवं रेल राजस्व में निरंतर वृद्धि के लिए आगे भी इसी प्रकारसामूहिक प्रयास जारी रहेंगे।

भारतीय मजदूर संघ का 72 वां स्थापना दिवस आउट सोर्स, संविदा, ठेकेदार के कर्मी की समस्याओं का निदान भी कराएगा BMS

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि है विश्व का सबसे अधिक सदस्यता वाला श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ का आज जबलपुर में स्थापना दिवस समारोह जिला कार्यालय में आयोजित किया।

जिसकी अध्यक्षता अजय विश्वकर्मा प्रदेश मंत्री भारतीय मजदूर संघ ने की उन्होंने कहा प्रत्येक स्तर के कर्मचारियों की समस्याओं को संघ के माध्यम से निराकरण करवाने का प्रयास होगा । क्रूस् के 71 वर्ष के सफ़र पर विस्तृत विचार व्यक्त किए। वहीं रजनीश विश्वकर्मा प्रदेश मंत्री मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ,राजकुमार नायक विभाग प्रमुख भारतीय मजदूर संघ राहुल सिंह जिला अध्यक्ष अमर ग्रावकर ने संघ के कार्यों पर प्रकाश डाला। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी जबलपुर के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय द्वारा अपने उद्बोधन में प्रत्येक स्तर पर कर्मचारियों की आवाज उठाने में क्रूस् के साथियों की सराहना की, श्री राजकुमार नायक जी के निस्वार्थ मजदूरों की सहायता की सोच की प्रशंसा की ,आउट सोर्स,संविदा, ठेकेदारों के पास काम करने वाले कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण भी संघ के माध्यम से करवाने की राय व्यक्त की। वहीं क्रूस् के प्रदेश मंत्री अजय विश्वकर्मा द्वारा संघ के साथियों को सदा सहयोगात्मक एवं प्रदेश स्तर पर भविष्य निधि, पेंशन भोगियों की समस्याएं भोपाल स्तर पर उठाने की घोषणा की तारीफ की। संघ के सचिव देवेन्द्र पचौरी ,आलोक अग्निहोत्री ,बृजेश मिश्रा परशुराम तिवारी वीरेंद्र चंदेल तुषरेन्द सिंह ,एसपी बाथरे ,मनोज सिंह स्थापना समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन अमर ग्रावकर ने किया।

जेडीए सीईओ का विदाई समारोह, अध्यक्ष ने दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री दीपक कुमार वैद्य के सम्मान में शुक्रवार को प्राधिकरण कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने श्री वैद्य को उनकी नवीन पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में जेडीए उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केशरवानी एवं प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी श्री वैद्य को नई जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी सहायक प्राध्यापक की वरिष्ठ सूची से प्राध्यापकों में असंतोष

प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ की बैठक संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कल जो सहायक प्राध्यापक की वरिष्ठ सूची प्रकाशित की गई है जिसमें सहायक प्राध्यापक 2012 तक को सम्मिलित किया गया है जिस पर सहायक प्राध्यापको ने इस पर गहन असंतोष व्यक्त किया गया है। बैठक में सभी प्राध्यापकों ने विचार विमर्श किया।

संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल, प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग ने कहा कि सहायक प्राध्यापक की जो वरिष्ठता सूची प्रकाशित हुई है इसमें वरिष्ठ साथियों ने अपनी

अप्रसन्नता व्यक्त की है। प्रदेश के सभी विभागों द्वारा पदों में पदोन्नति नियम 2025 का पालन करते हुए 2025 तक के पदोन्नति और उसमें आने वाले प्राध्यापक अधिकारी कर्मचारियों को सभी लाभ प्राप्त हुए हैं लेकिन हायर एजुकेशन में अभी भी 10 से 15 साल पुराने जो प्रकरण है उन्हीं को निपटाया जा रहा है। इससे हमारे साथियों में बहुत ही आक्रोश है प्राध्यापकों में बड़ा ही असंतोष है और जिसके कारण लगातार साथियों को कोर्ट की शरण में जाना पड़ता है उसके बावजूद अभी तक विभाग द्वारा कोई भी इसमें सकारात्मक पहल नहीं की गई है। पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत हमारे सभी प्राध्यापकों को प्रवर श्रेणी एवं वरिष्ठ श्रेणी पद पर पदोन्नति लगातार की जानी चाहिए और जिससे हर साल पदोन्नति हो और लोगों को समय सीमा पर इसका लाभ प्राप्त हो यह देखा जा रहा है कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण प्राध्यापकों को अनावश्यक विलंब से सभी वेतनमान प्राप्त हो रहे हैं। जिससे उन्हें भारी आर्थिक शक्ति और मानसिक अशांति प्राप्त होती है मानसिक तौर पर वह असंतुष्ट रहते हैं। मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री से अपील है कि आधिकारियों को निर्देशित करें कि वह 2025 के पदोन्नति नियम के तहत सभी प्राध्यापकों को उनकी निर्धारित मापदंडों के अनुसार उन्हें अपनी पदोन्नति प्रदान करें और नियमों में आवश्यक संशोधन करें।

बैठक में डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. ए.सी.तिवारी, डॉ. रामेश्वर झारिया, डॉ. शिवचंद्र वल्के, डॉ. रविश तमन्ना ताजिर, डॉ. जागेश्वर प्रजापति आदि उपस्थित रहें।

एमपी ट्रांसको में सबस्टेशन अटेंडेंट के 61 पदों हेतु शारीरिक दक्षता एवं दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में सबस्टेशन अटेंडेंट के 60 तथा सिविल अटेंडेंट के 1 पद, कुल 61 पदों के लिए दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण प्रक्रिया आयोजित की गई। एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री नवीन पांडे ने बताया कि उक्त पदों के लिए क्रमशः 60 एवं 1 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से दस्तावेज सत्यापन में सबस्टेशन अटेंडेंट के 47 तथा सिविल अटेंडेंट के 1 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। यह भर्ती प्रक्रिया जून 2025 में जारी विज्ञापन के अनुक्रम में संपन्न कराई गई। इस अवसर पर एचआर विभाग से मुख्य अभियंता धीरेंद्र सिंह, अधीक्षण अभियंता नवीन पांडे, एचआर मैनेजर अमित मेहरोलिया, कार्यपालन अभियंता इकबाल खान, सहायक अभियंता अदिति धुर्वे, रित्विक मिश्रा,डी.जी. गोस्वामी के अलावा अजय शर्मा, कुशल पाल सिंह, सहायक अभियंता सहित दीपक वनेकर,शैलेन्द्र चार्ल्स एवं अमितेंद्र उपस्थित रहे। दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों के शैक्षणिक, तकनीकी एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों की गहनता से जांच की गई। संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं पारदर्शी व्यवस्था के अनुरूप सुचारु रूप से संपन्न कराई गई।

उद्योग निवेश संवर्धन एवं रोजगार सृजन की समीक्षा

संभागायुक्त ने जबलपुर जिले के उमरिया-डुंगरिया औद्योगिक क्षेत्र का किया भ्रमण

जबलपुर- संभागायुक त श्री धनंजय सिंह ने जबलपुर जिले के उमरिया-डुंगरिया औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर औद्योगिक गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान कलेक?टर श्री राघवेन-?द्र सिंह, कार्यकारी निदेशक एमपीआईडीसी श्री अनिल राठौर, एसडीएम श्री मदन रघुवंशी तथा अन-?य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। संभागायुक?त श्री सिंह ने कार्यरत इकाइयों के विस्तार और अधिक रोजगार सृजन करने की संभावना पर चर्चा की। भ्रमण के दौरान कार्यरत इकाइयों में उपलब्ध कराए रोजगार की भी जानकारी ली गई। संभागायुक?त श्री सिंह ने औद्योगिक क्षेत्र परिसर में वृक्षारोपण कार्य भी किया तथा जल संरक्षण की गतिविधियों की जानकारी भी ली। भ्रमण के दौरान कार्यकारी निदेशक एमपीआईडीसी ने औद्योगिक क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक क्षेत्र फेस-1 (विस्तार) में 30.306 हेक्टेयर भूमि पर 7.74 करोड़ रुपये की लागत से अधोसंरचना विकास कार्य कराया गया है, जो भौतिक रूप से पूर्ण हो चुका है।

उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र उमरिया-डुंगरिया फेस-1 एवं फेस-2 में 104.20 हेक्टेयर भूमि पर 14.97 करोड़ रुपये की लागत से अधोसंरचना उन्नयन कार्य प्रगति पर है। यह कार्य आगामी अगस्त माह तक पूर्ण होने की संभावना है।

इसके अतिरिक्त, उमरिया-डुंगरिया औद्योगिक क्षेत्र की वर्तमान जल प्रदाय योजना का अतिरिक्त 3 एमएलडी क्षमता तक उन्नयन किया जा रहा है। 18.48 करोड़ रुपये लागत वाली यह परियोजना माह जनवरी 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में अब तक 159 औद्योगिक इकाइयों को 65.863 हेक्टेयर भूमि आवंटित की जा चुकी है। इनमें से 96 इकाइयाँ उत्पादनरत हैं, जिनमें 423 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है तथा 1,945 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है।

भोपाल- उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल हमारे गौरवशाली अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि विकसित भारत के उज्ज्वल भविष्य की भी सशक्त आधारशिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीय शिक्षा दर्शन को पुन: प्रतिष्ठित करने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान किया है। यह नीति विद्यार्थियों को केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं, बल्कि संस्कार, आत्मगौरव, भारतीयता एवं राष्ट्र निर्माण के मूल्यों से भी जोड़ रही है। मंत्री श्री परमार भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के वैभवशाली स्वरूप विषय पर आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम श्री गुरुदेवाय नम: को संबोधित कर रहे थे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना में पर्यटन बढ़ाने के लिए नदी पर बने अनोखे ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट का लोकार्पण किया

युवाओं के लिए मध्यप्रदेश के 4 महानगरों में प्रारंभ होंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विश्व कल्याण के लिए प्रयास कर रहा है। हमारी संस्कृति में सबके कल्याण और मानवता से प्रेम करने की बात कही गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के चारों महानगरों- भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यह महाराज छत्रसाल, वीर आल्हा-ऊदल की धरती है। सौभाग्यशाली व्यक्ति ही ऐसी पुण्य धरा पर आ सकता है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के संकल्प के अनुसार अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है। केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ की इस परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि देने की स्वीकृति प्रदान की। नदी जोड़ो परियोजना किसानों के लिए समृद्धि लेकर आएगी। राज्य सरकार ने तय किया है कि ऐसी परियोजनाओं में किसी की जमीन, मकान और दुकान आती है तो उसे उचित मुआवजा दिया जाएगा। इस परियोजना से बुंदेलखंड परिदृश्य बदलने वाला है। किसान अपनी जमीन बेचने का विचार मन में न लाएं। खेती के मामले में यह क्षेत्र अब पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पन्ना के बृहस्पति कुंड पर 8 करोड़ लागत से सौंदर्यीकरण के अंतर्गत निर्मित ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पन्ना में निर्मित यह कांच के फ्लोर वाला व्यू प्वाइंट यहां के पर्यटन को बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसे देखने देश-विदेश से लोग आएंगे। भारत के पर्यटकों को भी अन्य देशों में जाने की आवश्यकता नहीं है। यहां के प्राकृतिक जल प्रपात पर्यटन में वैश्विक केंद्र बनने के योग्य हैं।

दो सांदीपनि विद्यालयों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुल 184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इन कार्यों में गुन्नौर और पवई के 74 करोड़ रुपए लागत के 2 सांदीपनि विद्यालय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में सबसे अच्छे विद्यालय हैं। प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए गए हैं। यह विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक हैं। सांदीपनि विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारों के साथ शिक्षा दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस विभाग में लगभग 10 हजार नए पद मंजूर किए हैं। पिछले साल 8 हजार पदों पर भर्ती की गई। प्रदेश में कुल एक लाख से अधिक शासकीय पदों पर युवाओं को नौकरी के अवसर मिले हैं। सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ना चाहती है। किसान पशुपालन और दूध उत्पादन के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकते हैं। राज्य में अभी 12 प्रतिशत दूध उत्पादन है, इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसान खेती से लाभ कमाएं, दूध उत्पादन से आय बढ़ाएं और मछली उत्पादन से भी फायदा कमा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियां को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पन्ना में हजारों करोड़ का निवेश आ रहा है। सागर संभाग में ही बीना में रिफाइनरी के विस्तार का कार्य भी हुआ है। खेत से लेकर फैक्ट्री और फिर निर्यात तक हमारी सरकार हर क्षेत्र में कार्य कर रही है।

समान नागरिक संहिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के पास जगदीशपुर कभी इस्लामनगर के रूप में जाना जाता था, जहां से पहली बार शरिया कानून प्रदेश की धरती पर लागू हुआ था, लेकिन हमारी सरकार ने उसी धरती पर कैबिनेट आयोजित कर एक समान कानून (यूसीसी) लागू करने के लिए विधेयक को मंजूरी दी। विधानसभा में भी विधेयक पारित हो चुका है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता प्रभावी हो जाने के बाद अगर राम एक विवाह करेगा तो रहीम को भी एक ही शादी करनी पड़ेगी। मध्यप्रदेश में धर्म के आधार पर नागरिकों के लिए अलग-अलग कानून की कोई आवश्यकता नहीं है। यूसीसी से मुस्लिम बहनों को भी तलाक के मामलों में राहत मिलेगी। अब तलाक सिर्फ कोर्ट के माध्यम से ही होगा। हमारे लिए कलाई पर राखी बांधने वाली सभी बहनें एक समान हैं। चाहे वह किसी भी धर्म की क्यों न हों। इसी भाव से राज्य सरकार हर माह लाड़ली बहना योजना के माध्यम से पात्र बहनों को 1500 रुपए की राशि प्रदान कर रही है। राज्य सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। किसानों को सम्मान निधि और विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

जुगलकिशोर मंदिर में सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

महाराज छत्रसाल स्टेडियम को सर्वसुविधा युक्त बनाया जाएगा।

बृजपुर में महाविद्यालय प्रारंभ किया जाएगा।

सड़क एवं पुल निर्माण के नए कार्य भी होंगे। कार्यक्रम में विधायक श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जहां प्रदेश की जनता के हित में एक समान कानून लागू करने की दिशा में बड़ी सफलता मिली है वहीं मंत्रि-परिषद ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के विस्थापितों के लिए मुआवजे की पर्याप्त राशि स्वीकृत की है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत राज्य व जिला स्तरीय टीम ने किया निरीक्षण, बाल हितैषी पहल, स्वच्छता और सुशासन मॉडल की सराहना

आदर्श बाल मैत्री ग्राम पंचायत गोटेगांव खेड़ा के नवाचारों ने जीता अधिकारियों का भरोसा

गोटेगांव प्रतिनिधि- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान। (आरजीएसए) के अंतर्गत आदर्श बाल मैत्री ग्राम पंचायत गोटेगांव खेड़ा का राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने भ्रमण कर पंचायत में संचालित विकास कार्यों का अवलोकन किया। अधिकारियों ने पंचायत में बाल हितैषी गतिविधियों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी, सुशासन और नवाचार आधारित विकास कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

भ्रमण के अंत में ग्राम पंचायत गोटेगांव खेड़ा परिवार ने सभी अधिकारियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। पंचायत ने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारियों के सुझाव और मार्गदर्शन से गांव में विकास की नई संभावनाओं को और मजबूती मिलेगी।

भ्रमण के दौरान नवीन शिवा (राज्य सलाहकार, SoEPR, NIRD&PR), डॉ. अमित अडैया, विशाल श्रीवास्तव (जिला कार्यक्रम प्रबंधक, आरजीएसए) तथा सीताराम पटेल (ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, जनपद पंचायत गोटेगांव) ने पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने पंचायत द्वारा संचालित बाल हितैषी पहलों, पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों, जनसहभागिता और उत्कृष्ट कार्यशैली की सराहना करते हुए इसे अन्य ग्राम पंचायतों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

अधिकारियों ने कहा कि ग्राम स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, जनसहभागिता और नवाचार ही ग्रामीण विकास की वास्तविक पहचान हैं। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को भविष्य में भी इसी तरह जनकल्याण और सुशासन आधारित कार्यों को गति देने के लिए प्रेरित किया।

मोहन की गायें अब सड़कों पर- आवारा मवेशियों से जनता त्रस्त, जिम्मेदार बेखबर

हर प्रमुख चौराहे पर मवेशियों का जमावड़ा, हादसों का बढ़ा खतरा; करोड़ों खर्च के बावजूद गौशालाओं की व्यवस्था पर उठे सवाल

गोटेगांव प्रतिनिधि- नगर में आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या आम नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। हालात यह हैं कि शहर के लगभग हर प्रमुख चौराहे और व्यस्त मार्ग पर मवेशियों के झुंड स्वच्छंद विचरण करते दिखाई देते हैं। इससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है, लेकिन संबंधित विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

नगर के जबलपुर रोड स्थित पानी की टंकी के पास, पुराने मोटर स्टैंड, पेट्रोल पंप, फुहारा चौक, बायपास चौराहा और परमहंसी रोड जैसे व्यस्त क्षेत्रों में दिनभर मवेशियों का जमावड़ा देखा जा सकता है। राहगीरों और वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई बार वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे हादसे होते-होते बचते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आवारा पशुओं की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, लेकिन उन्हें पकड़कर गौशालाओं तक पहुंचाने की कोई प्रभावी व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही। शासन गौशालाओं के संचालन पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करता है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आती है। प्रदेश की सड़कों, राजमार्गों और बायपास मार्गों पर घूमते मवेशी व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर खुद बयां कर रहे हैं। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा मवेशियों को तत्काल सड़कों से हटाकर सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही गौशालाओं के संचालन और पशु प्रबंधन की व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग उठ रही है।

धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा शुगर मिल अधिकारियों के लिए गन्ना फसल प्रबंधन प्रशिक्षण का सफल आयोजन

गाडरवारा। = धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा गन्ना उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से शुगर मिल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय गन्ना फसल प्रबंधन एवं धानुका उत्पाद पोर्टफोलियो प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रामदेव शुगर मिल, नर्मदा शुगर मिल, शक्ति शुगर मिल एवं आकृति शुगर मिल के सेल्स अधिकारियों एवं तकनीकी स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

श्री राजेश माहेश्वरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी और कार्यक्रम की सरहाना की ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. एन. सिंह - फॉर्मर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ शुगरकेन रिसर्च - लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने किसानों एवं शुगर मिलों के समन्वय से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर बल दिया तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन धानुका एग्रीटेक लिमिटेड की ओर से श्री चेतन सरावगी स्टेट हेड मध्यप्रदेश एवं सिंपल कुशवाहा- मैनेजर - इंस्टिट्यूशनल सेल्स द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान गन्ना फसल में बुवाई से लेकर कटाई तक विभिन्न अवस्थाओं में किए जाने वाले वैज्ञानिक फसल प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही धानुका के विभिन्न फसल सुरक्षा एवं पोषण उत्पादों के सही समय, सही मात्रा एवं प्रभावी उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई।

धानुका के विशेषज्ञों ने बताया कि यदि किसान फसल की प्रत्येक अवस्था में वैज्ञानिक तरीके से अनुशंसित उत्पादों का उपयोग करें, तो गन्ने की गुणवत्ता एवं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ किसानों की आय में भी बढ़ोतरी संभव है।

समाजसेवी इस्हाक खान को उप मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया

शहडोल. शहडोल में आयोजित किए गए श्रमजीवी पत्रकार संघ के सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समाजसेवा व रक्तदान के लिए पूर्व पार्षद इस्हाक को सम्मानित किया. इस मौके पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया, सांसद हिमाद्री सिंह, विधायक जय सिंह मरावी, शरद कोल, श्रीमती मनीषा सिंह, पत्रकार गजेन्द्र सिंह, मुहम्मद अली, दिलीप अग्रवाल सहित कई जन प्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे.

बंगाली समाज की संपूर्ण रथयात्रा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न-लाल परिधानों से सजी भक्ति की अनुपम छटा, हरिनाम संकीर्तन करते शामिल हुए श्रद्धालु

भगवान जगन्नाथ पहुँचे अपने धाम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी एसोसिएशन, सिटी बंगाली क्लब द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ की संपूर्ण रथयात्रा (बहुदा यात्रा) शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुई। सायं 5=30 बजे सिटी बंगाली क्लब परिसर स्थित मौसी माँ के घर (गुंडिचा मंदिर) से भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा लाल परिधान में सुसज्जित भव्य रथ पर विराजमान होकर अपने निज धाम श्री जगन्नाथ मंदिर के लिए प्रस्थान किए। रथ पर भगवान के साथ सुदर्शन चक्र एवं पवित्र कलश भी विराजमान थे।

रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व सायं 5=00 बजे से हरिनाम संकीर्तन एवं भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। खोल, मृदंग, शंख एवं कासोर की मधुर ध्वनि पर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे। संपूर्ण वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। वैदिक मंत्रोच्चार एवं जयघोष के बीच भगवान को रथ पर विराजमान कराया गया। आकर्षक विद्युत सज्जा से सुसज्जित रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। निर्धारित लाल ड्रेस कोड में शामिल पुरुष एवं महिलाओं ने रथयात्रा को भक्ति एवं अनुशासन का अनुपम स्वरूप प्रदान किया। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की सहभागिता ने संपूर्ण आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया।

संपूर्ण रथयात्रा मौसी माँ के घर (गुंडिचा मंदिर) से प्रारंभ होकर करमचंद चौक, तुलाराम चौक, अंधेरदेव, बड़ा फुहारा, घमंडी चौक, सुपर मार्केट एवं मालवीय चौक होते हुए पुन: सिटी बंगाली क्लब स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुँची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की पूजा-अर्चना, आरती एवं पुष्पवर्षा कर दिव्य दर्शन का लाभ लिया। मंदिर पहुँचने पर भगवान का पारंपरिक विधि-विधान से स्वागत एवं विशेष आरती संपन्न हुई। रथयात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी, सब्जी एवं खीर के महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसे हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया।

रथयात्रा में प्रमुख रूप से महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू , जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, सुब्रत पाल, प्रकाश साहा, डी. के. रॉय, एन. एन. मुखर्जी, अनुराग पाल, आशीष घोष, आशीष सेन, आर. एन. दत्ता, शेखर डे, तापस चक्रवर्ती, नीलेंद्र चटर्जी, विश्वजीत घोष, मुकुल घोष, विजय भट्टाचार्य, सुब्रत रॉय,मृत्युंजय पाल, तृष्णा चटर्जी, एड अंजलि बैनर्जी, एड अभिजीत भौमिक, एड अभिलाष डे,संगीता भद्रा, रूपांजलि बनर्जी, सौरव सोम, आई. बी. रुद्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संस्था के सचिव प्रकाश साहा ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ के श्री मंदिर लौटने के साथ ही नौ दिवसीय रथ महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस, मीडिया तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की कृपा से संपूर्ण रथयात्रा शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं अत्यंत भव्य वातावरण में संपन्न हुई।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

लाठी और आंसू गैस

'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में पाकिस्तान या चीन के हाथ जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से असली सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से मोहभंग का कारण बन सकते हैं। पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की खामियों के लिए जवाबदेही की मांग करने राजधानी आए छात्र-नौजवानों का बड़ा हिस्सा यह देखकर भौंचक था कि जो पुलिस उनके लिए है, वही उन पर बेरहमी से लाठी क्यों चला रही है? उनकी बात सुनने के बजाय उन पर आंसू गैस के गोले क्यों दागे जा रहे हैं? किशोर वय छात्र-छात्राएं इस सवाल में उलझे नजर आए कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने से उन्हें क्यों रोका जा रहा है? इतना सब कुछ हो चुकने के बावजूद किसी को जवाबदेह क्यों नहीं बनाया गया है? उन्हें यह देखकर भी हैरत हुई कि जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने उनकी बात और उन पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाने की कोशिश की, तो मिनट भर के अंदर सदन को ही स्थगित कर दिया गया।

इससे सवाल उठा कि संसद छात्र-नौजवान या जन समुदाय के किसी अन्य हिस्से को चिंताओं को व्यक्त और उन पर विचार-विमर्श का मंच अगर नहीं रह गई है, तो फिर पाठ्यपुस्तकों के जरिए प्रातिनिधिक लोकतंत्र के पढ़ाए गए तमाम गुण क्या महज किताबी हैं? अलग-अलग राज्यों के छोटे-बड़े शहरों में दिल्ली की घटनाओं के खिलाफ हुए स्वत:स्फूर्त विरोध प्रदर्शनों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये सवाल दूर-दराज तक पहुंच गए हैं। 'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में पाकिस्तान या चीन के हाथ जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से ये सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से गहरे मोहभंग का कारण बन सकते हैं। इसलिए सत्ता पक्ष को जन असंतोष से निपटने के पुराने तौर-तरीकों से बाहर निकलना चाहिए।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण!

नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (ष्छ्क्क) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (ष्ठ्व्ह्ल) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वही सरकार के द्वारा नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निर्माताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन में जब सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एंट्री होती है, वह भूख हड़ताल पर बैठ जाते हैं और जब भूख हड़ताल एक-एक दिन करके लंबी चलने लगती है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा यह आंदोलन देश के कुछ राजनेताओं के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एक शानदार पर्यटन स्थल बन जाता है, जिसके चलते धरनास्थल पर बहुत तेज़ी से छोटे व बड़े राजनेताओं का तांता लगने लग जाता है। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की स्थिति कुछ लोगों व राजनेताओं के द्वारा देश राजधानी दिल्ली में बनायी जा रही है, उससे अब यह स्पष्ट होता जा रहा कि लंबे अरसे से आंदोलनरत छात्रों की मूल मांगें राजनीतिकरण के चलते अब पीछे छूट गई हैं। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को आज कुछ लोगों के गैंग ने छात्र हित के जगह पर्दे के पीछे छिपी सत्ता हथियाने की सीढ़ी से केंद्र व प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन करने का हथियार बना लिया है। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुछ लोगों व राजनेताओं ने पूर्व की भांति ही सत्ता परिवर्तन करने की महत्वाकांक्षा का हथियार बनाते हुए आंदोलन को राजनेताओं की स्वार्थ पूर्ति अखाड़ा बनाकर रख दिया है। हर बार की ही तरह इस बार भी छात्रों के बेहद शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन को कुछ चतुर, चालाक व बेहद ही स्वार्थी राजनेता ने घुसकर के छात्रों व देश युवाओं के केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश को अपने क्षणिक हितों को साधने की ताकतवर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तिगत एजेंडे व हितों की पूर्ति करने व पार्टी के हितों को साधने वाली राजनीतिक जमीन को मजबूत करने वाला आंदोलन बनाकर रख दिया है। छात्रों के नाम पर शुरू हुए आंदोलन में अब छात्रों के हित की बातें बहुत पीछे छूटते जा रही हैं, राजनेताओं के छिपे हुए एजेंडे छात्र व नौजवानों के हितों पर हावी होते जा रहे हैं, कुछ लोगों के द्वारा आंदोलन को हिंसक बनाते हुए राजनीतिकरण किया जा रहा है। नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ़ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरु हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने

शतकीय यात्रा पर भारतीय प्रसारण

आज का दिन भारतीय प्रसारण के इतिहास में विशेष महत्व है। ठीक 99 साल पहले 23 जुलाई 1927 को मुंबई में भारत में पहले व्यवस्थित और संस्थानिक प्रसारण की शुरूआत हुई थी। इस लिहाज से भारतीय प्रसारण आज से अपनी शतकीय सोपान की ओर बढ़ रहा है। इस शतकीय यात्रा में रेडियो की तकनीक में बहुत बदलाव हुआ है। पारंपरिक मीडियम वेब से लेकर शॉर्ट वेब होते हुए रेडियो अब एफएम यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्यूल के साथ ही डिजिटल दौर में प्रवेश कर गया है। मीडिया के चरित्र में भी सौ साल में बहुत बदलाव हो गया है, लेकिन रेडियो आज भी संवाद और मनोरंजन के सहज संचार माध्यम के रूप में जिंदा है। आसानी से हर जगह उपलब्धता और विशेष तकनीक की वजह से आपदा के क्षणों में संचार के दूसरे माध्यमों की तुलना में रेडियो अब भी सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम बना हुआ है। समुद्री तूफानों, सुनामी, कश्मीर घाटी की बाढ़ आदि मौकों पर संवाद के लिए रेडियो ने अपनी ताकत और उपादेयता को बार-बार साबित किया है। देश से माओवादी और नक्सली आतंक का खात्मा हो चुका है, लेकिन एक दौर में विशेषकर बस्तर के नक्सली इलाकों में नक्सलियों से संवाद के लिए रेडियो का ही इस्तेमाल किया जाता था। इतिहास इसे संयोग ही कहेंगे कि जब रेडियो प्रसारण तकनीक का आविष्कार हुआ, उन दिनों देश गुलामी की जंजीरों से बंधा था। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में भी प्रसारण की प्रेरणा ब्रिटेन से मिली। रेडियो प्रसारण तकनीक के विकास के साथ ही 1922 में बीबीसी का गठन हो चुका था। हालांकि ब्रिटेन में इसके पहले ही निजी और शौकिया प्रसारण की शुरूआत हो चुकी थी। इसका असर भारत पर भी पड़ा। भारत में भी 1920 से 1926 के बीच तत्कालीन बंबई और कलकत्ता में रेडियो क्लबों की शुरूआत हुई। उन क्लबों ने अपने तरीके से प्रसारण के किंचित सफल और ज्यादातर असफल प्रयास भी किये। उन दिनों भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड इर्विन थे। अखबारों की तुलना में रेडियो प्रसारण की अहमियत और प्रभाव को इर्विन समझते थे। शायद यही वजह रही कि भारत में 1926 में गठित इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक बांबे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब ने जून 1923 में पहला रेडियो प्रसारण किया।

विक्रम-1- नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरुआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। 'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए। गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था।

देवशयनी एकादशी व्रत पर पूजा-अर्चना से होती है पुण्य फलों की प्राप्ति

25 जुलाई को देवशयनी एकादशी व्रत है, देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन से विष्णुजी चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं और चातुर्मास शुरु होता है। देवशयनी एकादशी के दिन सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने से घर में खुशहाली और समृद्धि आती है तो आइए हम आपको देवशयनी एकादशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। समयऔर कैलेंडर पंडितों के अनुसार आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। इस दिन से चातुर्मास, यानी चार महीने का पवित्र समय प्रारंभ होता है। इस साल 2026 में देवशयनी एकादशी 25 जुलाई, शनिवार को मनाई जाएगी। देवशयनी एकादशी का धार्मिक महत्व अत्यधिक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु राजा बलि के पास पाताल लोक में चार महीने के लिए विश्राम करने चले जाते हैं और कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी पर जागते हैं। यह समय आंतरिक शांति, ध्यान, भक्ति और साधना के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इस एकादशी तिथि से श्रीहरि 4 महीनों के लिए क्षीसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। पंडितों के अनुसार अगर आपके जीवन में परेशानी चल रही है या कोई भी काम नहीं बन रहा है,

सोनम वांगचुक और गणतंत्र की नैतिक परीक्षा

सतीश झा

सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है।

लोकतंत्र जब नागरिक से उसकी जान माँगने लगे

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विफलता तब नहीं होती, जब सरकार कोई गलत फैसला ले। सरकारें गलतियाँ करती हैं और उन्हें सुधारने का अवसर भी होता है। असली विफलता तब होती है, जब किसी नागरिक को अपनी बात सुनाने के लिए अपने शरीर को ही आख़िरी तर्क बनाना पड़े। किसी भी गणतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए कि सत्ता किसी नागरिक की बात तब सुने, जब डॉक्टर चेतावनी दे चुके हों, अदालत हस्तक्षेप कर चुकी हो और उसका शरीर जवाब देने लगा हो। राज्य के भीतर कहीं न कहीं ऐसा दरवाज़ा अवश्य होना चाहिए, जहाँ किसी नागरिक की गंभीर और सार्वजनिक महत्व की शिकायत इसलिए सुनी जाए कि वह न्यायसंगत है, इसलिए नहीं कि वह मरने के कगार पर पहुँच गया है।

18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इक्कीस दिन के उपवास ने उनके शरीर को बुरी तरह तोड़ दिया था। उन्होंने 28 जून को आमरण अनशन शुरू किया था। उनका संघर्ष किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं था। वे उन लाखों युवाओं के पक्ष में खड़े थे, जिनका विश्वास प्रश्नपत्र लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की अव्यवस्था ने तोड़ दिया। दिल्ली हाईकोर्ट को भी उनके स्वास्थ्य की निगरानी का निर्देश देना पड़ा। एक ऐसा प्रश्न, जिसका उत्तर लोकतांत्रिक संवाद से दिया जाना चाहिए था, धीरे-धीरे एक नागरिक की शारीरिक सहनशक्ति और राज्य की संवेदनशीलता की परीक्षा बन गया।

पहली नज़र में यह विवाद केवल प्रश्नपत्र लीक का दिखाई देता है। परीक्षा रद्द हुई, अनियमितताओं के आरोप लगे, जवाबदेही की माँग उठी और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की आवाज़ पहुँची। यह सब गंभीर है, क्योंकि प्रश्नपत्र लीक केवल परीक्षा में धांधली नहीं है। यह उस भरोसे की हत्या है, जिसके सहारे करोड़ों युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं। राज्य उनसे वादा करता है कि मेहनत और योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन होगा। प्रश्नपत्र लीक उसी वादे का विश्वासघात है।

लेकिन यदि हम यहीं रुक जाएँ, तो सबसे बड़ा प्रश्न छूट जाएगा।

मान लीजिए भारत की हर परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष हो जाए। कहीं कोई प्रश्नपत्र लीक न हो, कोई नकल न हो, कोई भ्रष्टाचार न हो। क्या तब हमारी शिक्षा व्यवस्था सफल मानी जाएगी?

और ढैय्या का कष्ट होगा कम, शनिवार को जरूर जपें ये विशेष

हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है। ठीक इसी तरह शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित होता है। ऐसे में अगर आप शनिदेव की साढ़ेसाती, ढैय्या या फिर शनि दोष से परेशान हैं। तो आपको शनिदेव के कुछ मंत्रों का जाप करना चाहिए।

इससे शनिदेव की कृपा होती है और साढ़ेसाती, शनि दोष और ढैय्या के कष्टों से भी मुक्ति मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि साढ़े साती और शनि दोष को दूर करने के लिए शनिवार को किन मंत्रों का जाप करना चाहिए।

शनि मूल मंत्र ? शं शनैश्चराय नमः। शनि बीज मंत्र ? प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः। शनि गायत्री मंत्र ? सूर्यात्मजाय विद्महे मृत्युरूपाय धीमहि तन्नः सौरिः प्रचोदयात॥ शनि प्रणाम मंत्र ? नीलांजन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छाया मार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम्?॥ शनि वैदिक मंत्र ? शन्नोदेवीर भिष्टयऽआपो भवन्तु पीतये शंय्योरभिस्त्रवन्तुनः। शनि एकाक्षरी मंत्र शं॥ साढ़ेसाती मंत्र ऊँ त्रयम्बकं यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुक मिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मा मृतात।। शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये।संयोरभिश्रवन्तु न॰। ऊँ शं शनैश्चराय नमः।।

ऊँ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसंभूतं तं नमामिशानश्चराम।।

आगे कुँआ, पीछे मोदी

शंकर शरण

बेचारे हिन्दू दोहरी चोट झेल रहे हैं — संघ-परिवार का विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग। क्या इस से आगे कोई फर्क पड़ेगा? नहीं, राजा बाबू ने सब प्रबंध कर लिया है। कहीं कोई छिद्र नहीं छोड़ा। चाहे संवैधानिक संस्थाओं, रेफरियों पर धब्बा लगता रहे। लिहाजा चुनावी फुटबॉल का नेशनल कप वही जीतते रहेंगे। बाकी इंडिया बस वाचता रहेगा! यह सब समाज को खोखला करते जाने की कीमत पर। बस कप हाथ में रहे, चाहे वास्तविक खेल केवल कागजी हो जाए।

एक अर्थ में यह संघ-परिवार का ही तर्क है। तेईस साल पहले, 2003 में इसे 'टीना' (ञ्छ्ठ्ठ) कहा गया था — देयर इज नो अल्टरनेटिव — यानी, भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए, ऐ देशवासियो, भाजपा को समर्थन दो! क्योंकि और किसे दोगे? कांग्रेस नेता को तो बोलना भी नहीं आता, कागज देख-देख पढ़ती है। बल्कि, जब तक यह बेचारी कांग्रेस की नेता है — तब तक भाजपा को चिन्ता की भी जरूरत नहीं! कौन 'इंडिया शाइनिंग' कर देने वाली भाजपा के बदले उस अटपटी कांग्रेस नेता को समर्थन देगा!

उक्त दलील 2004 के आरंभ तक इतनी दुहराई जाती रही थी, कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उस वर्ष चुनाव से पहले कहा 卐चुनाव में क्या होना है; कोई कांप्टीशन ही नहीं है!

तब से भाजपा नेता काफी बदल गये हैं। कुछ मामलों में अधिक होशियार, कुछ मामलों में और माशाअल्लाह। अगला चुनाव जीतने वाली सब तकनीकी कमियाँ इन्होंने दूर कर ली हैं, जिन पर किसी का ध्यान भी नहीं गया था। जिस में मुख्य यह कि मैच जीतने का सब से सुरक्षित तरीका है कि सामने कोई टीम ही न हो। यानी, सामने टीम न बनने दो! प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों में किसी को लुभा कर, किसी को डरा कर, किसी को फँसा कर, उस टीम से दूर रखो जो चुनौती दे सकती हो। अपनी टीम में भी कैप्टन बनने योग्य खिलाड़ियों को बाहर कर दो। बस, घुमा-फिरा कर वह वातावरण बनाना॰ जिसे 'टीना' कह लीजिए — कि भई और है कौन जिसे समर्थन दोगे!

दूसरी ओर, माशाअल्लाह यह कि दस वर्ष पहले संघ-भाजपाइयों द्वारा जो ऊँची-ऊँची उपलब्धि की बात कही जाती थी, अब उन में किसी का नाम तक नहीं लिया जाता। भ्रष्टाचार-मुक्ति, स्वदेशी आर्थिकी, दुनिया में प्रभाव, चीन को झुकाना, और — एक आकस्मिक नया लक्ष्य॰ 'कांग्रेस मुक्त भारत' और 'माँ-बेटे को जेल पहुँचाना' — यह सब अब भक्त भी नहीं दुहराते।

पूरे देश ने देखा कि चीन कहाँ है, और अपने राम क्या हैं। बगल बंगलादेश में हिन्दुओं का कत्ल, अपमान, मंदिर-ध्वंस होता रहा है — और अपने राजा के मुँह से एक शब्द तक नहीं निकला। जबकि कांग्रेस राज में बंगलादेश के हिन्दुओं के लिए संघ-परिवार यहाँ सरकार से दर्जन भर माँगे करता था। उस में संयुक्त राष्ट्र में मुद्दा उठाना भी था!

यह उदाहरण है कि सारी बातें हवाबाजी थी। इसीलिए उन के कार्यकर्ता भी अब चुप हैं। सब जान चुके कि इन तिलों में तेल नहीं। कुछ विषयों में स्थिति पहले से बदतर हुई है। शिक्षा क्षेत्र इस का खुला उदाहरण है। विशिष्ट संस्थानों की स्वायत्तता भी छिन गई है। विद्या, विद्यार्थी, अध्यापक, स्नातक, सर्टिफिकेट या अवार्ड की गुणवत्ता का जिम्मेदार कोई नहीं है। महत्वपूर्ण अकादमियों में भी विद्वानों के स्थान पर मुंशी बिठा दिये गये हैं। ताकि अपनी टीम की जयकार करने, जुमले दोहराने वालों की संख्या बढ़े। बस। शिक्षा का जो हो, कुर्सी अपने हाथ रहे। यह फाउल खेलने जैसा है। पर उस से क्या, कैसे भी केवल चुनावी कप जीतते रहना है!

यह दूरघातक स्थिति है, जो अनेक संघ-भाजपाई भी मानते हैं। पर कहते हैं॰ क्या करें? यह मानसिक बदहाली इतनी व्यापक है कि किसी नीति, घोषणा, चुप्पी, बेढब स्थिति, आदि की आलोचना पर केवल यही कहते हैं॰'भाजपा के हारने से आप को क्या मिलेगा?' चाहे अगले चुनाव में चार साल बाकी हो — पर उन के पास चुनाव छोड़ कोई विचार नहीं रह गया है। बारहों महीने उन्हें यही चिन्ता है। सो, अकेला लेखक भी यदि आलोचना करे तो वह चुनाव में हराने के लिए कर रहा है! अन्य कारण हो नहीं सकता।

किसी को नीति सुधार या नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं सूझती कि वह भी विचारणीय हो सकती है। जबकि वह लोकतंत्र में सब से सहज विचार है। ब्रिटेन में 2016 से 2022 के छः वर्षों में एक ही सत्ताधारी दल के चार प्रधानमंत्रियों ने स्वेच्छा से पद छोड़ दिया, सिर्फ यह देखकर कि उन की कोई नीति विफल रही या उन की लोकप्रियता कम हो गई। उन्हें पद छोड़ने की विवशता न थी! किन्तु उन्होंने अपने दल के अन्य नेता के लिए स्वयं स्थान छोड़ दिया। यह सच्ची समानता, साथीपन की भावना है। दलीय और राष्ट्रीय हित का सामंजस्य भी।

भारत में वह अकल्पनीय है! यहाँ शासक दूसरों को अपने से नीचा समझता है। आजीवन पद पर रहना अपना प्रथम अधिकार मानता है। चाहे देश का कुछ भी मत या हाल हो। यह दलीय ढाँचा भी मात्र दिखावा होने का संकेत है। मुख्य बात केवल जैसे-तैसे गद्दी पर रहने, या गद्दी लेने की है। देश की चिन्ता कहीं पीछे या बिलकुल नहीं।

एक अर्थ में भयावह हाल है कि नेताओं के पास अपने किसी काम, निकम्मेपन, मनमानी, संसाधनों की बर्बादी, नीतिगत पलटी मारने, और चुप्पी के लिए दिखावटी दलील भी न हो! जिस का जगजाहिर सबूत वर्तमान शासकों द्वारा मीडिया का सामना न करना है। न अपने दल में किसी मतभेद स्वर का। ऐसे दलीय सहकर्मी भी किनारे कर दिये गये हैं।

इस असाधारण दुर्बलता को छिपाने के लिए वे अनर्गल भाषणों का रेला देते रहते हैं, जहाँ कोई प्रश्नकर्ता न हो। केवल एकतरफा घटाटोप शब्दवर्षा। ताकि छिप जाए कि उन के पास अपने चित्र-विचित्र कर्मो-अकर्मो के बचाव में कहने को कुछ नहीं। सो, जुमले, तमाशे, दूसरों को अपशब्द, और दिवंगत नेताओं को कोसने से लोगों को उलझाए रख कर अपने को जमाने का उपाय किया गया है।

ऐसी प्रवृत्ति की निरंतरता राष्ट्रीय खालीपन है। जिसे भाजपा-भक्त 'टीना' में बदल लेते हैं॰ कि विकल्प क्या है! उन के बौद्धिक भी आलोचनाओं का उत्तर मनगढ़ंत दलीलों से देते हैं। जब ऐसी दलीलें कट जाती हैं तो अंत में उन का ब्रह्मास्त्र है, विशेषत: हिन्दू आलोचक को — 'भाजपा के हारने से क्या मिलेगा?'

यह एक तरह की ब्लैकमेलिंग है, कि भाजपा के हारते ही वामपंथी, इस्लामी लोग सत्ता में जुड़ेंगे! ऐसे ब्लैकमेलर समर्थकों को परवाह नहीं कि पिछले दस, बीस, तीस सालों में भाजपा की किसी सत्ता ने एक भी ऐसी हिन्दू विरोधी, वामपंथी, या इस्लाम-परस्त नीति को खत्म नहीं किया। उन में ऐसी नीतियाँ भी हैं जिसे मामूली संसदीय प्रस्ताव पास कर हटाया जा सकता है। जैसे, 'शिक्षा का अधिकार' कानून में हिन्दुओं के विरुद्ध भेदभाव, जो गैर-हिन्दुओं को विशेष सुविधाएं देकर किया गया है। यही भेदभाव मंदिरों के संचालन पर राजकीय कब्जे से भी जारी है, जिस से मस्जिदें, चर्च मुक्त हैं। यह हिन्दुओं पर परोक्ष जजिया है जो भाजपा-राज में और बढ़ा। गैर-हिन्दुओं के लिए विशेष कोचिंग, अनुदान, संस्थान, आदि देकर।

-:: आज का राशिफल ::-

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा,

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्टों को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि उन्होंने 20 जुलाई को छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि अदालत के सामने ऐसी कोई याचिका दायर नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल एक अभ्यावेदन (रिप्रेजेंटेशन) मिला था, न कि कोई रिट याचिका।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक पर दिया बयान, कहा-दोषियों को कठोर दंड मिलेगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के बढ़ते विरोध-प्रदर्शन के बीच गुरुवार सुबह नीट पेपर लीक को लेकर बयान दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने और केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की बात कही। उन्होंने बताया कि मामले में संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंग्रेजी और हिंदी में लिखे पोस्ट में कहा कि विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इससे पहले मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक में पेपर लीक को %गंभीर पाप% बताया था। प्रधानमंत्री मोदी का बयान ऐसे समय पर आया है, जब उनकी सरकार के खिलाफ छात्रों और लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। एक दिन पहले ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा और राज्यसभा में यह घोषणा की है कि सरकार नीट पेपर लीक मामले पर चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि सरकार संसद में चर्चा के लिए तैयार है। नीट पेपर लीक और उसके बाद शुरू हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। इसके बाद, संसद के मानसून सत्र के बीच विपक्षी सांसद भी लगातार संसद में सरकार को घेर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देने से मुद्दा पूरे देश में छा गया है।

सभी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं, जबकि सरकार ने अभी तक इस्तीफे पर कुछ नहीं कहा है।

पेपर लीक के सभी मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई', नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए देशभर में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द और कड़ी सजा मिल सके। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि हमारे युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का उद्देश्य पेपर लीक मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है।पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस फैसले को जल्द से जल्द लागू करने के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोहराया कि पेपर लीक के हर मामले में दोषियों को जल्द कठोर सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की जाएगी। सरकार का मानना है कि इस पहल से पेपर लीक मामलों में न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी, दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता तथा युवाओं का भरोसा और मजबूत होगा।

पेपर लीक पर सख्त कानून की वकालत, संबित पात्रा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पेपर लीक के मुद्दे पर सख्त कानून बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कांग्रेस पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय विपक्ष केवल राजनीतिक विरोध में लगा हुआ है। संबित पात्रा ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, छात्र प्रतिनिधियों और सोनम वांगचुक के

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक, परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान प्लेकार्ड लिए हुए हैं और नारे लगा रहे हैं।

नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों और वकीलों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की निंदा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित वकीलों की बैठक के दौरान सीनियर एडवोकेट इंदिरा जयसिंह ने मीडिया से बात की।

अनंतनाग आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा रणनीति की हो रही समीक्षा

श्रीनगर ,(आरएनएस)। श्रीअमरनाथ यात्रा के दौरान दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। एजेंसियों का मानना है कि लगातार दबाव के कारण आतंकी अब सीधे मुठभेड़ से बच रहे हैं और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में टारगेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, आतंकी यात्रा के दौरान हमला कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार हासिल करना चाहते हैं। उनका उद्देश्य कश्मीर में सामान्य होते हालात को प्रभावित करना और क्षेत्र की नकारात्मक छवि फिर से पेश करना है। इसके लिए सीमा पार बैठे आतंकी हैंडलर कश्मीर में सक्रिय अपने मॉड्यूल और ओवरग्राउंड वर्करों को लगातार निर्देश दे रहे हैं। खतरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं। कश्मीर मामलों के जानकार अजय बाचलू का कहना है कि अनंतनाग हमला ऐसे समय हुआ, जब अमरनाथ यात्रा भारी बारिश के कारण स्थगित थी। हमले की टाइमिंग से संकेत मिलता है कि आतंकियों का उद्देश्य बड़ी जनहानि करना नहीं, बल्कि भय का माहौल बनाकर अपनी मौजूदगी का संदेश देना था।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आतंकियों का लक्ष्य बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाना होता तो वे यात्रा के काफिले या शिविर को निशाना बना सकते थे। हालांकि, ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसी कड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन बड़े हमलों के संभावित परिणामों को लेकर सतर्क हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस स्थान पर हमला हुआ, वह भीड़भाड़ वाला बाजार है, जहां नियमित रूप से पुलिस बल तैनात रहता है। ऐसे इलाकों में हमला कर फरार होना आतंकियों की पुरानी रणनीति रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में सेंध नहीं माना जा सकता, क्योंकि हमला यात्रा से जुड़े किसी काफिले या शिविर पर नहीं, बल्कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को निशाना बनाकर किया गया।

अधिकारी के अनुसार, हमले के तरीके से लगता है कि आतंकियों ने पहले इलाके की रेकी की थी और यह दो से तीन आतंकियों के छोटे मॉड्यूल की सुनियोजित कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने इस घटना को 'लोन वुल्फ' रणनीति मानने से भी इनकार करते हुए कहा कि अचानक हमला कर फरार होना कश्मीर में आतंकियों की पुरानी कार्यशैली रही है।

हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां सभी स्तरों पर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा कर रही हैं, ताकि संभावित कमियों को दूर किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना को आतंकवाद की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए।

अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत नहीं, आठ एफआईआर मामलों में समग्र संरक्षण देने से इनकार

कोलकाता,(आरएनएस)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दर्ज आठ एफआईआर मामलों में फिलहाल समग्र अंतरिम संरक्षण देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि अलग-अलग आरोपों पर दर्ज मामलों में एक साथ व्यापक राहत प्रदान नहीं की जा सकती। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को निर्धारित की गई है।

न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि प्रत्येक एफआईआर की प्रकृति अलग है, इसलिए सभी मामलों को एक साथ जोड़कर अंतरिम संरक्षण देना उचित नहीं होगा। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि यदि अगली सुनवाई से पहले अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोई कठोर कानूनी कार्रवाई की जाती है, तो वह तत्काल अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ राजनीतिक दुर्भावना के तहत लगातार मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

भोपाल के नीलम पार्क में %बेरोज़गारी के ख़िलाफ़ आंदोलन% के बैनर तले युवाओं ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

पेपर लीक विवाद: खरगे ने सरकार पर साधा निशाना, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने परीक्षा से जुड़े कथित पेपर लीक के मुद्दे पर केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में इस विषय पर चर्चा चाहती, तो विपक्ष की मांग के साथ ही संसद में बहस की अनुमति दे देती। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी दोहराई।

पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि विपक्ष शुरुआत से ही इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा चाहता था, लेकिन सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। उनका आरोप था कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग किया गया और विपक्ष की बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा नहीं देते, तब तक इस मुद्दे पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इस पूरे मामले में उनकी चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की चिंताओं पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही है।

इस बीच, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने भी केंद्र सरकार के रुख की आलोचना की।

महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल, एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा जंतर-मंतर ड्यूटी से हटाए गए

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली में सीजेपी के 'चलो संसद' प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने के आरोपों के बाद एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा को जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल की ड्यूटी से हटा दिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। 20 जुलाई को कथित परीक्षा अनियमितताओं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जुटे थे। इसी दौरान वायरल वीडियो में एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दिए। बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पुलिस की कथित बर्बरता के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान इस घटना का भी उल्लेख किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत को बताया कि वीडियो में अधिकारी बिना किसी उकसावे के महिला को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का उपयोग करने के बजाय सीधे आंसू गैस के गोले छोड़े, जबकि ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना चाहिए था। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने दिल्ली पुलिस, केंद्र सरकार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

असम में बाढ़ से भारी तबाही, नुकसान के आकलन के लिए केंद्र भेजेगा अंतर-मंत्रालयी दल

गुवाहाटी ,(आरएनएस)। असम में इस वर्ष आई भीषण बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य के 25 जिलों के 1,800 से अधिक गांव जलमग्न हैं और नौ लाख से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से फोन पर बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द ही केंद्र की अंतर-मंत्रालयी टीम राज्य भेजने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर जानकारी देते हुए बताया कि गृह मंत्री ने बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कराने के लिए केंद्रीय टीम भेजने का आश्वासन दिया है। इस रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और राहत के लिए केंद्र सरकार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस बार की बाढ़ का मुख्य कारण ऊपरी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं और सामान्य से कहीं अधिक वर्षा रही है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ ज़िले में कथित नीट पेपर लीक और प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में हो रहे प्रदर्शन के दौरान, पुलिसकर्मी आज़ाद समाज पार्टी (कांशी राम) के एक प्रदर्शनकारी को ले जाते हुए।

गुजरात के सूरत ज़िले के लिंबायत इलाके में भारी बारिश के बाद मीठी खाड़ी क्षेत्र में जलभराव के कारण सड़कें और घर पानी में डूबे हुए हैं।

किसानों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ सहकारिता आंदोलन बना अमूल की वैश्विक पहचान

आनंद (गुजरात),(आरएनएस)। किसानों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ एक छोटा-सा सहकारी आंदोलन आज दुनिया के सबसे बड़े डेयरी सहकारी मॉडलों में शामिल हो चुका है। वर्ष 1946 में महज 247 लीटर प्रतिदिन दूध संग्रह से शुरू हुई अमूल की यात्रा आज गुजरात में 36 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को जोड़ते हुए प्रतिदिन 350 लाख लीटर से अधिक दूध संग्रह तक पहुंच चुकी है। अमूल की इस ऐतिहासिक यात्रा और सहकारी मॉडल की जानकारी आनंद डेयरी की मानव संसाधन प्रमुख डॉ. प्रीति शुक्ला ने गुजरात के अध्ययन दौरे पर आए छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को दी।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि 1930 और 1940 के दशक में खेड़ा क्षेत्र दूध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था, लेकिन दूध के विपणन और आपूर्ति पर निजी डेयरी का नियंत्रण था। किसानों को उनके दूध का उचित लाभ नहीं मिल रहा था और उन्हें लगने लगा था कि इस व्यवस्था में उनका शोषण हो रहा है। किसानों ने इस समस्या को लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल से संपर्क किया। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 1942 में किसानों की अपनी सहकारी संस्था स्थापित करने की दिशा में पहल शुरू हुई।

उन्होंने बताया कि अमूल के संस्थापक अध्यक्ष त्रिभुवनदास पटेल और मोरारजी देसाई ने किसानों को संगठित किया। डेयरी की स्थापना के समर्थन में किसानों ने करीब 15 दिनों तक दूध की हड़ताल की। इसके बाद अंततः किसानों को अपनी सहकारी डेयरी स्थापित करने का मार्ग मिला। इसी आंदोलन के परिणामस्वरूप 14 दिसंबर 1946 को कैरा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड का पंजीकरण हुआ।

247 लीटर से शुरू हुई यात्रा

डॉ. शुक्ला ने बताया कि अमूल की शुरुआत बेहद छोटे स्तर से हुई थी। प्रारंभ में प्रतिदिन केवल 247 लीटर दूध का संग्रह होता था। आज अमूल के सहकारी नेटवर्क से गुजरात में 36 लाख से अधिक किसान जुड़े हैं और प्रतिदिन 350 लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रह किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक दौर में डेयरी का संचालन किराये की सरकारी क्रीमरी के एक हिस्से से किया गया। बाद में अमूल के संस्थापक अध्यक्ष त्रिभुवनदास पटेल द्वारा डेयरी के लिए 50 एकड़ से अधिक भूमि उपलब्ध कराए जाने के बाद इसका विस्तार संभव हुआ।

राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक के विरोध में चल रहा छात्रों का प्रदर्शन अब व्यापक रूप लेता जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही की मांग कर रहे छात्रों के समर्थन में अब बॉलीवुड हस्तियां भी खुलकर सामने आने लगी हैं। अभिनेता सलमान खान के बाद अब प्रसिद्ध अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी छात्रों के समर्थन में एक बेहद भावुक और विचारणीय संदेश साझा किया है।

मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद क्यों बॉलीवुड से दूर हुई ग्रेसी सिंह

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म लगान ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह द प्लैनेट्स डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल अमानत से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें आशुतोष गोवारिकर की फिल्म लगान- वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। लगान न केवल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान

पाने वाली मदर इंडिया और सलाम बॉम्बे के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस, गंगाजल और अरमान जैसी फिल्मों में काम किया। मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल को बड़ी सफलता मिली, लेकिन अरमान बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे चंचल, देशद्रोही और देख भाई देख, लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी।

हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली।

बस 3 दिन बाकी : जन नेता का दमदार नया पोस्टर आउट, एडवांस बुकिंग को मिला शानदार रिस्पॉन्स

मुंबई ग्रैंड वर्ल्डवाइड रिलीज़ में अब बस तीन दिन बाकी हैं और इसी बीच 'जन नायगन' (हिंदी में 'जन नेता') के मेकर्स ने फिल्म का एक धांसू नया पोस्टर रिलीज़ कर एक्साइटमेंट को डबल कर दिया है। साल की सबसे बड़ी सिनेमैटिक रिलीज़ में शुमार इस फिल्म को लेकर फैंस का जोश पहले ही हाई है, खासकर इसलिए क्योंकि यह बड़े पर्दे पर थलपति विजय की आखिरी फिल्म होने जा रही है। नए पोस्टर में थलपति विजय एक रौबदार पुलिस ऑफिसर के अवतार में फुल स्वैग और पावर के साथ नजर आ रहे हैं। वहीं, बॉबी देओल की इंटेंस मौजूदगी कहानी में टकराव का तड़का लगाते हुए एक जबरदस्त फेस-ऑफ की ओर इशारा करती है।

गेम ऑन, स्टाइल ऑन! लॉर्ड्स में भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान जाह्नवी कपूर का पावरफुल फैशन स्टेटमेंट

जाह्नवी कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर मौके पर अपने फैशन सेंस से लोगों का दिल जीतना बखूबी जानती हैं। अभिनेत्री हाल ही में लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच का आनंद लेने पहुंचीं, जहां उनका स्टाइलिश अंदाज देखते ही बन रहा था।

इस खास मौके पर जाह्नवी ने राल्फ लॉरेन का टेलर्ड ब्लेज़र और मैचिंग ट्राउज़र पहनकर क्लासिक एलिगेंस और मॉडर्न पावर ड्रेसिंग का शानदार मेल पेश किया। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल एक्सेसरीज़, सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और सिग्नेचर स्लीक हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया, जिससे उनके आउटफिट का शार्प सिल्हूट और भी उभरकर सामने आया।

जहां क्रिकेट प्रेमियों की नजरें मैदान पर चल रहे रोमांचक मुकाबले पर टिकी थीं, वहीं स्टैंड्स में मौजूद जाह्नवी कपूर ने अपने बेहतरीन फैशन चॉइस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनका यह शानदार लुक लॉर्ड्स के शाही और ऐतिहासिक माहौल के साथ पूरी तरह मेल खा रहा था, जिसे होम ऑफ क्रिकेट भी कहा जाता है।

रेड कार्पेट हो या फिर क्रिकेट स्टेडियम, जाह्नवी कपूर हर बार अपने स्टाइल से एक नया फैशन गोल सेट करती हैं। भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान उनका यह एलिगेंट और पावरफुल लुक एक बार फिर साबित करता है कि किसी भी मौके पर फैशन के खेल में जीतना उन्हें बखूबी आता है।

पल्लीचट्टम्बी की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 24 जुलाई से सोनी लिव पर देख सकेंगे टोविनो थॉमस की ये फिल्म

मलयालम सिनेमा के जाने-माने एक्टर टोविनो थॉमस की फिल्म पल्लीचट्टम्बी 15 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस पीरियड एक्शन-थ्रिलर फिल्म से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. वहीं फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फाइनली अब ये फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है. चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म किस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कब और कहां रिलीज होगी. पल्लीचट्टम्बी का प्रीमियर 24 जुलाई 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने वाला है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी अनाउंसमेंट की है. डिजो जोस एंटनी के डायरेक्शन में बनी फिल्म पल्लीचट्टम्बी में कयाडु लोहर, विजय राघवन और जॉनी एंटनी जैसे एक्टर्स भी हैं. फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी कैमियो भूमिका में हैं. 1950 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित पल्लीचट्टम्बी की कहानी कृष्णा पिल्लई (टोविनो थॉमस) के इर्द-गिर्द घूमती है. बचपन में एक क्रूर हमले में अपना परिवार खोने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है. इसके बाद एक पुजारी और कुछ स्थानीय परिवार उनका पालन-पोषण करते हैं. हालांकि, किस्मत उसे एक और बड़ा झटका देती है. इसके बाद कृष्णा पिल्लई अन्याय के खिलाफ लड़ने का फैसला करता है और अपने हक के लिए संघर्ष की राह पर निकल पड़ता है. सालों बाद कृष्णा पोथन क्रिस्टोफर के नाम से कानियार गांव पहुंचते हैं. अपने अच्छे स्वभाव, बहादुरी और लोगों की मदद करने की आदत की वजह से वो जल्द ही गांव वालों का भरोसा और सम्मान जीत लेते हैं. इसी दौरान उनकी मुलाकात रेबेका से होती है. दोनों धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आते हैं. रेबेका का सपना है कि वो गांव में एक ऐसा स्कूल खोले, जहां हर बच्चे को पढ़ने का मौका मिल सके.

वी ने मध्य प्रदेश में किया 5जी फुटप्रिन्ट का विस्तार; 5जी सेवाएं अब सागर, सतना और जबलपुर में भी उपलब्ध

इससे पहले वी की 5जी सेवाओं को भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में लॉन्च किया गया था

जबलपुर- जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने मध्य प्रदेश में अपने 5जी विस्तार को और तेज़ कर दिया है, वी भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में पहले से 5जी सेवाओं का लॉन्च कर चुका है। राज्य में अपने 5जी फुटप्रिन्ट को और मजबूत बनाते हुए दूरसंचार कंपनी ने आज तीन और शहरों- सागर, सतना और जबलपुर में 5जी सेवाओं की शुरूआत की घोषणा की है। मध्य प्रदेश के ये मुख्य आर्थिक विकास केन्द्र उद्योग जगत, कारोबार, शिक्षा और कनेक्टिविटी के लिए मुख्य हब की भूमिका निभाते हैं।

जबलपुर मध्य प्रदेश का मुख्य प्रशासनिक, न्यायिक एवं पर्यटन केन्द्र है, सतना बड़ा ओद्यौगिक एवं धार्मिक हब है, जिसे 'भारत के सीमेंट सिटी' के नाम से भी जाना जाता है, वहीं सागर महत्वपूर्ण ओद्यौगिक एवं शैक्षणिक हब है। ये सभी शहर राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मुख्य भूमिका निभाते हैं तथा हाई-स्पीड मोबाइल डेटा सेवाओं की बढ़ती मांग के लिए मुख्य मार्केट हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश में वी 5जी लॉन्च का यह चरण डिजिटल विकास के लिए बहुत अधिक मायने रखता है।

वी 5जी अब भारत के 225 शहरों और नगरों में उपलब्ध है तथा अपने 5जी फुटप्रिन्ट का विस्तार लगातार जारी रखे हुए है। बड़े महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बैंगलुरू में शुरूआती कमर्शियल लॉन्च के बाद वी अपने स्पैक्ट्रम वाले सभी 17 प्रायोरिटी टेलीकॉम सर्कल्स में व्यवस्थित रूप कवरेज का विस्तार कर रहा है। ग्लोबल टेलीकॉम इक्विपमेन्ट लीडर्स जैसे एरिकसन, नोकिया और सैमसंग के साथ साझेदारी में कंपनी ने नेटवर्क की स्पीड और विश्वसनीयता को अनुकूलित करने के लिए एआई-पावर्ड सेल्फ-ओर्गेनाइज़िंग नेटवर्क (एसओएन) तैनात किया है।

इस विस्तार पर बात करते हुए कविता नाडकर्णी, बिज़नेस हैड-मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़, वोडाफोन आइडिया ने कहा, ''हम मध्य प्रदेश में वी के 5जी नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में 5जी लॉन्च के बाद सागर, सतना और जबलपुर में रोलआउट इस यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विस्तार के लिए हम ज़्यादा मांग वाली लोकेशनों परविशेष रूप से ध्यान दे रहे हैं, जहां डेटा की खपत और फुटफॉल अधिक रहता है जैसे कमर्शियल हब और पर्यटन केन्द्र। ताकि हम अपने यूज़र्स को नेटवर्क का सहज और बेहतर अनुभव प्रदान कर सकें।'' 5जी के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए वी के यूज़र वी नॉन स्टॉप हीरो रु 3749 पैक चुन सकते हैं, जो 365 दिनों की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड डेटा और कॉल्स के फायदे देता है।

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात, विंबलडन में जमी बॉलीवुड-हॉलीवुड की जुगलबंदी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं। अभिनेत्री ने बताया, विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर और जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवरेव को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देखना सच में प्रेरणा देने वाला था। अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जैनिक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रीम का मजा लेते हुए

सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की। मैंने हमेशा उनके काम की तारीफ की है, खासकर लोकी का उनका किरदार और उन्हें कैरेक्टर के विकास, उनके क्रिएटिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए सुनना बहुत दिलचस्प था। अभिनेत्री ने बताया, हमने मार्वल के अलावा उनके कुछ बेहतरीन कामों पर भी बात की, जिसमें द नाइट मैनेजर, क्रिमसन पीक, और उनके मशहूर थिएटर परफॉर्मेंस शामिल हैं। उनकी विनम्रता, समझदारी, और कहानी कहने के जुनून ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। यह लंदन की एक खूबसूरत दोपहर थी जिसमें एक ही जगह पर खेल, सिनेमा, और कल्चर का जश्न मनाया गया। विंबलडन सच में एक टाइमलेस अनुभव है, और यह एक ऐसा दिन है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री हाल ही में बहुप्रतीक्षित एक्शन-कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आई थी। यह वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जो अपने शानदार निर्देशन और स्टार-स्टड कास्ट के लिए जानी जाती है।

'मुस्कुराती है तो खूबसूरत, वर्ना आग', 'वाराणसी' से सामने आया प्रियंका चोपड़ा का नया लुक; राजामौली ने दिखाई झलक

वाराणसी- एसएस राजामौली ने दिखाई प्रियंका चोपड़ा की धांसू झलकियां, मुस्कुराए तो सादगी; रूठे तो चिंगारी

एसएस राजामौली की आगामी भव्य फिल्म वाराणसी को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्सुकता बनी हुई है। इसी बीच फिल्ममेकर ने ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के जन्मदिन के खास मौके पर प्रशंसकों को एक बेहद शानदार और बड़ा सरप्राइज दिया है। राजामौली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से प्रियंका की नई तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है और फैंस देसी गर्ल के इस नए अवतार को देख बेहद उत्साहित हैं।

वाराणसी में प्रियंका के किरदार का नाम मंदाकिनी है, जिसकी नई झलकियां सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फिल्म में उनके इस दमदार किरदार की तारीफ करते हुए राजामौली ने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है कि जब मंदाकिनी मुस्कुराती है तो उसके चेहरे पर एक अद्भुत सादगी और नजाकत नजर आती है, लेकिन जब वो नहीं मुस्कुरातीं तो उसकी खामोशी और आंखों में एक ऐसी आग दिखती है, जो किसी भी चुनौती को भस्म कर सकती है।

इससे पहले राजामौली ने एक फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर प्रियंका के किरदार से पर्दा उठाया था। अब उन्होंने 2 नई तस्वीरें साझा की हैं, जो इस आगामी महागाथा में उनके शक्तिशाली अवतार की एक गहरी झलक दिखाती हैं।

पहली तस्वीर में प्रियंका एक गंभीर लुक में दिख रही हैं, जहां उनके घुंघराले बाल एक जूड़े में बंधे हैं, वहीं दूसरी तस्वीर में वो एक खूबसूरत पहाड़ी पृष्ठभूमि वाले खुले मैदान में मुस्कुराते हुए छलांग लगाती हुई दिखाई दे रही हैं।

आरआरआर की वैश्विक सफलता के बाद राजामौली वाराणसी लेकर आ रहे हैं, जिसके हीरो महेश बाबू हैं।

इस फिल्म के जरिए प्रियंका पूरे 8 साल बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

फिल्म की कहानी मशहूर लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है, जो पौराणिक कथाओं, भारतीय लोककथाओं और टाइम ट्रेवल जैसे साइंस-फिक्शन तत्वों का एक अनोखा मिश्रण है।

ये बहुप्रतीक्षित फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को दुनियाभर में रिलीज होने के लिए तैयार है।

शब्द सामर्थ्य -106

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24. माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1. पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

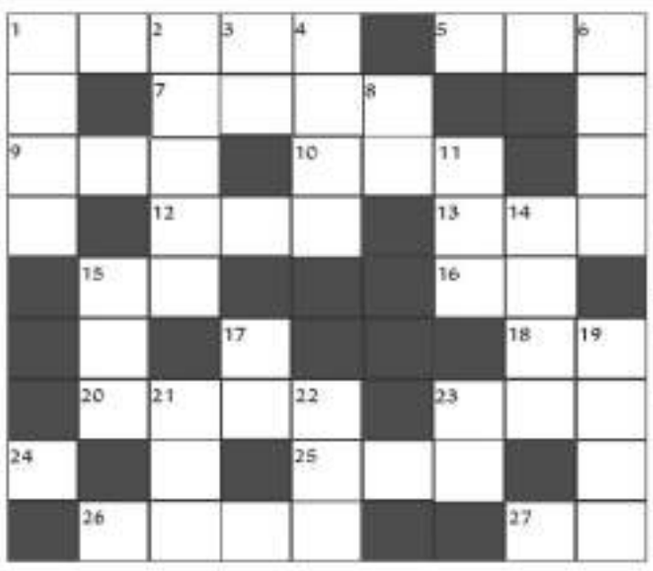

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 105 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बेलखेड़ा में ग्राम पावला में एक व्यक्ति की मृत्यु होने की सूचना पर पहुँची पुलिस को मान सिंह लोधी उम्र 70 वर्ष निवासी ग्राम पावला ने बताया कि वह खेती किसानी का काम करता है उसका घर गांव व खेत में भी है वह खेत में बने मकान मे रहता है आज सुबह लगभग 8 बजे उसका बेटा पोहप सिंह उम्र 40 वर्ष खेत के मकान में आया वहां पर लाईट नहीं थी जो लाईट की सप्लाई देखने के लिये उसके खेत के बाजू में चरन सिंह लोधी के खेत में लगे बिजली के खम्बे के तरफगया जो बहुत देर तक वापस नहीं आया।

क्षेत्रों में हरित कार्यों के अलावा अन्य प्रस्तावित व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप देने अधिकारियों को दिए निर्देश

निगमायुक्त ने कृषि उपज मंडी से लेकर कठोंदा क्षेत्र का किया निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज कृषि उपज मंडी से लेकर कठोंदा परिक्षेत्र का विस्तृत स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पूरे क्षेत्र का बारीकी से अवलोकन किया और हरित कार्यों के अलावा प्रस्तावित परियोजनाओं को तय समय-सीमा के भीतर व पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूरे क्षेत्र को योजनाबद्ध और सुव्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाए, जिससे आम नागरिकों को बेहतर

सुविधाएं मिल सकें।

निरीक्षण के दौराननिगमायुक्त ने ?क्षेत्र में स्वीकृत एवं प्रस्तावित सभी कार्यों को बिना किसी देरी के शुरू करने और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की बात कही।

इस अवसर पर उन्होंने कृषिउपज मंडी से कठोंदा तक के मार्ग को अतिक्रमण मुक्त रखने, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात प्रवाह को बेहतर करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान कहा कि ?शहर के प्रत्येक क्षेत्र का सुव्यवस्थित कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। इस अवसर पर निगमायुक्त के साथ नगर निगम के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री के स्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का कैडल मार्च

जबलपुर - अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के आव्हान पर परिक्षाओं में हुई अनियमितताओं, तथा उसके उपरांत राज्यतंत्र द्वारा की गई दमनात्मक कार्यवाहियों के विरोध में कांग्रेस द्वारा आज शाम 7 बजे घंटाघर से टाउन हॉल स्थित को गाँधी जी की प्रतिमा तक कैंडल लाइट मार्च निकाला जायेगा तथा सत्याग्रह किया जायेगा 7तत्पश्चात केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के तत्काल स्तीफे की मांग की जाएगी।

स्कूल विलय मामले में जवाब दो - हाईकोर्ट

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पनागर स्थित शासकीय वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल को सिंगोद हायर सेकेंडरी स्कूल में विलय करने के खिलाफ हाई कोर्ट याचिका दायर की गई 7 याचिका की सुनवाई करते हुये जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने शासकीय अधिवक्ता को कलेक्टर से निर्देश लेकर 30 जुलाई को जवाब प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं 7 यह याचिका नीलम श्रीवास्तव, जयसिंह खंगार एवं सोनी लाल प्रजापति की ओर से दायर की गई हैं 7याचिकाकर्ता के अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने न्यायालय में तर्क प्रस्तुत किया की पनागर में 100 साल पुराना शासकीय स्कूल जिसमें लगभग 300 विद्यार्थी अध्यनरत हैं, कलेक्टर जबलपुर ने 14 जुलाई 2026 को एक आदेश जारी किया की उक्त विद्यालय के छात्रों को सिंगोद स्कूल में शामिल कर दिया जावे 7 उन्होंने न्यायालय को बताया कि उक्त आदेश न केवल मनमाना है बल्कि अवैध भी हैं, क्योंकि पनागर नगरी क्षेत्र तथा उसे 10 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र में छठवीं से दसवीं तक के बच्चों को जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि उक्त स्कूल में अधिकतर बच्चे गरीब परिवारों के वह अपने बच्चों को इतनी दूर गांव में भेजने में असमर्थ है, ना ही बच्चे मानसिक रूप से 10 किलोमीटर से ज्यादा की प्रतिदिन की यात्रा करने में सक्षम है

तन का मैल धोने के लिए अच्छे पानी की और मन का मैल धोने के लिए अच्छी वाणी आवश्यक है - मुनि श्री निष्कम्प सागर जी

जबलपुर। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य एवं विद्या कुल शिरोमणी परम्पराचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज के आशीष से प.पू.मुनिवर श्री 108 निष्कम्प सागर जी महाराज ससंघ पावन वर्षायोग शिवनगर में होगा।पूज्य मुनिश्री 108 निष्कंपसागर जी मुनिराज का मंगल चातुर्मासिक प्रवेश शिवनगर, जबलपुर में परम श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। आज प्रात: अधारताल जैन मंदिर से विशाल शोभायात्रा के साथ पूज्य मुनिसंघ की भव्य अगवानी आर्यिका संघ के सानिध्य में सकल जैन समाज द्वारा हर्ष उल्लास पूर्वक दमोह नाका चौक पर की गई।

इस अवसर पर पूज्य मुनिवर श्री निष्कम्प सागर जी महाराज ने आशीष वचन प्रदान करते हुए कहा सच्चा श्रावक और सच्ची समाज को कभी धर्म करते हुए थकावट नहीं आना चाहिए।यह पावन चातुर्मास आत्मजागरण, स्वाध्याय, संयम और धर्म आराधना का दिव्य अवसर बने। इसमे अधिक से अधिक धर्मलाभ लेकर अपने जीवन को सार्थक बनाएं। आज प्रात:जब भी मौका मिले लाभ लेना चाहिए। शिवनगर जिनालय के मूल नायक देवाधिदेव मूलनायक श्री 1008 पार्श्व नाथ भगवान की प्रतिमा को अतिशय कारी निरुपित करते हुए पूज्य श्री जी ने कहा एक तो शिवनगर के मूलनायक भगवान को स्वयं आचार्य भगवंत श्री 108 विद्यासागर जी महाराज ने सूरिमंत्र देकर प्रतिष्ठित किया दूसरी ओर यह जिनबिम्ब अभी तक की सबसे बड़ी और सबसे वजनदार भगवान श्री पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा हैं।

श्रावकों द्वारा स्थान –स्थान पर रांगोली, चरण प्रक्षालन,आरती उतार कर अगवानी की गई। श्री दिगम्बर जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारी, प्रगतिशील महिला मंडल एवं दिव्यघोष, अ.भा.दिगम्बर जैन महिला परिषद शिवनगर, पार्श्व युवा मंच, आदर्श बहुमंडल, बालिका मंडल, श्री विद्यासागर संस्कार वाटिका परिवार, श्री भक्तामर मंडल शिवनगर के सदस्यों सहित मुनि सेवा संघ की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

40 दिन धैर्य, संयम और सात्विकता से जीवन जीने का संदेश देता है चालीसा व्रत

झूलेलाल मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन एवं धर्मसभा का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। चालीसा व्रत महोत्सव के अंतर्गत श्री झूलेलाल मंदिर, भरतीपुर में प्रतिदिन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। चालीस दिनों तक चलने वाले इस पावन महापर्व में प्रात:काल जलज्योति पूजन, आरती, पल्लव तथा भगवान श्री झूलेलाल के समक्ष विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई।

बड़ी संख्या में माताओं, बहनों एवं श्रद्धालु व्रतधारियों ने उपवास एवं सात्विक जीवन का संकल्प लेकर गर्भगृह में विराजमान विपत्ति निवारक जलदेवता, वरुणदेव एवं भगवान श्री झूलेलाल का विधि-विधान से पूजन किया तथा जलाशय में दीपदान कर विश्व के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम श्रद्धेय स्वामी अशोकानंद जी महाराज ने कहा कि चालीसा व्रत केवल उपवास का पर्व नहीं, बल्कि 40 दिनों तक धैर्य, संयम, सात्विकता और प्रभु भक्ति के साथ जीवन जीने की साधना है। जब मनुष्य अपने जीवन में अध्यात्म को अपनाता है, तभी उसके अंतर्मन की शुद्धि होती है और वह सच्चे ज्ञान एवं ईश्वर की कृपा का अधिकारी बनता है। भगवान श्री झूलेलाल सदैव अपने भक्तों के साथ रहते हैं, यही विश्वास चालीसा व्रत का मूल आधार है। गर्भगृह में स्वामी प्रदीप महाराज एवं पंडित वेदांत महाराज के सान्निध्य में विशेष थाली पूजन संपन्न हुआ। इस दौरान ?, स्वस्तिक, नवग्रह, बहराणा साहिब एवं जलज्योति का विधिवत पूजन कराया गया। सभी व्रतधारियों ने अपने सिर पर पूजन थाली धारण कर मंदिर की परिक्रमा की, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। आयोजन समिति के सर्वश्री मोतीलाल पारवानी, उद्धवदास पारवानी, दिलीप तलरेजा, रामचंद्र आहूजा, रमेश आहूजा,नारायणदास खत्री, माधवदास कुंदवानी, श्रीचंद मध्यानी, कैलाश वासवानी, धर्मेंद्र मंगलानी, त्रिलोक वासवानी, गोविंद हीरानी, प्रकाश आहूजा, , राजा सावलानी, विजय पंजवानी, बिल्लू हीरानी, सुनील मोटवानी एवं सहित अनेक श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों में उपस्थित रहे।

युग प्रवर्तक डॉक्टर हेडगेवार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर विशेष नाट्य प्रस्तुति

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संस्कारधानी जबलपुर में नाद ब्रह्म संस्था, नागपुर द्वारा प्रस्तुत तथा संस्कार भारती, जबलपुर महानगर के तत्वावधान में ऐतिहासिक नाट्य प्रस्तुति युग प्रवर्तक डॉक्टर हेडगेवार का मंचन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 26 जुलाई (रविवार) सायं 6:00 बजे मानस भवन प्रेक्षागृह, जबलपुर में आयोजित होगा।

यह नाट्य प्रस्तुति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन, उनके विचारों तथा संघ स्थापना की पृष्ठभूमि को नाटकीय रूप में प्रस्तुत करती है। नाटक में तत्कालीन परतंत्र भारत की परिस्थितियों, उस समय के सामाजिक परिदृश्य और देश के भविष्य के लिए एक संगठित समाज की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है।

आयोजकों ने सभी नागरिकों, कला-प्रेमियों एवं इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों से इस नाट्य प्रस्तुति में उपस्थित होकर इसका अवलोकन करने का आग्रह किया है।

संस्कार भारती के महाकौशल प्रांत सह महामंत्री निखिल देशकर, प्रांत उपाध्यक्ष विजय श्री मिश्रा, कोषाध्यक्ष मदन पटेल, सह कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ शुक्ला ,महानगर अध्यक्ष श्रीमती माला सिंह कार्यकारी अध्यक्ष प्रभात दुबे, कमलेश यादव, संजय सागर सेन,प्रियंका मिश्रा,सौरभ दुबे, आदेश सिंह,साधना तिवारी,आरती दिक्षित,शैलजा सुल्लेरे ,राजेश खरे,मुनीश जैन आदि ने कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील की है ।

गरीबों को थमा दिये फर्जी बीपीएल कार्ड – मा.अ.आयोग नें लिया संज्ञान, कलेक्टर से एक सप्ताह में मांगा प्रतिवेदन

जबलपुर - शहर के गोरखपुर क्षेत्र में गरीबी रेखा रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली लगभग 25 गरीब महिलाओं से पैसे लेकर फर्जी बीपीएल कार्ड बनाने का मामला सामने आया है। क्षेत्र की कई गरीब महिलाओं ने बीपीएल कार्ड बनवाने के लिये संबंधित गोरखपुर तहसील कार्यालय में संपर्क किया था। वहां पदस्थ एक महिला कर्मचारी द्वारा राशन कार्ड बनाने के लिए पीड़ित उन गरीब महिलाओं से अनावश्यक रूप से 10-10 हजार रूपये लेकर ठग लिये और उनके फर्जी राशन कार्ड बना दिये। फर्जी कार्ड के कारण गरीब महिलाओं को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही उन्?हें कई शासकीय योजनाओं से वंचित भी होना पड़ रहा है। पीड़ित गरीब महिलाओ नें पुलिस मे शिकायत भी दर्ज करवाई किन्तु कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई 7 मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा नें बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जनहित में मामले को स्वत: संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक सप्ताह में मांगा है।

आयरन ओर लोडिंग में 39 प्रतिशत एवं फर्टिलाइजर में 31 प्रतिशत की वृद्धि

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल पर गुड्स ट्रैफिक एवं कमोडिटी वाइज फ्रेट लोडिंग बढ़ाने के उद्देश्य से निरंतर मॉनिटरिंग एवं समय-समय पर विभिन्न बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों में कमोडिटी वाइज फ्रेट लोडिंग बढ़ाने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने जून माह 2026 में कुल 05.46 मिलियन टन फ्रेट लोडिंग करते हुए 547 करोड़ 57 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

जून 2026 में विभिन्न कमोडिटी लोडिंग में पश्चिम मध्य रेल द्वारा निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त की गईं हैं –- लौह अयस्क (आयरन ओर) लोडिंग में 0.12 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 38.82 प्रतिशत अधिक है।

फर्टिलाइजर (उर्वरक) लोडिंग में 0.43 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 30.77 प्रतिशत अधिक है।

क्लिंकर लोडिंग में 1.02 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 20.62 प्रतिशत अधिक है।

कंटेनर लोडिंग में 0.10 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 6.59 प्रतिशत अधिक है। फ़ूड ग्रेन लोडिंग में 0.36 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 1.11 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा फ्रेट लोडिंग एवं रेल राजस्व में निरंतर वृद्धि के लिए आगे भी इसी प्रकारसामूहिक प्रयास जारी रहेंगे।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में किया मौन प्रदर्शन

जबलपुर। दिल्ली में नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के दौरान संसद मार्च में प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार को मालवीय चौक पर संयुक्त संघर्ष समिति एवं विभिन्न छात्र संगठनों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मौन प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई । संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक रामरतन यादव ने बताया कि देशभर के लाखों छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को सुरक्षित करने और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। ऐसे समय में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इस अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। मौन प्रदर्शन में सुबोध रिछारिया, घनश्याम यादव, बैजनाथ कुशवाहा, राजेंद्र गुप्ता, रुचिरा गुप्ता, अमित पांडे, मेहंदी हसन, सचिन गुप्ता, शिवकुमार चौबे, रजनीश दुबे, इमाम खान, इंद्र कुमार कुलस्ते, राजेंद्र पिल्ले, जितेंद्र यादव, अशोक यादव, रामदास यादव, अरविंद कुशवाहा, अरविंद पटेल, घनश्याम पटेल, अभिनव दीक्षित, त्रिलोकीनाथ त्रिपाठी, आदर्श दुबे, नीलचंद यादव, रिंकू कुशवाहा, यासमीन मोहम्मद, रवि शर्मा, देवेंद्र यादव, धर्मेंद्र कुशवाहा, आर.के. महाजन, प्रमोद तिवारी, एडवोकेट अनुराग सिंह, एडवोकेट अमरजीत सग्गू, एडवोकेट ओ.पी. यादव, आकाश यादव सहित संयुक्त संघर्ष सद्य0 कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जो आजीवन शब्दों से पुल बनाते रहे --- प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध – एक युग का मौन आलोक

स्मृति शेष –-- प्रथम पुण्य तिथि पर विशेष

कुछ मनुष्य अपने जाने के बाद अनुपस्थित नहीं होते; वे हमारे समय की चेतना में एक स्थायी उपस्थिति बन जाते हैं। वे स्मृतियों में नहीं बसते, संस्कारों में बसते हैं। उनके शब्द केवल पढ़े नहीं जाते, जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव %विदग्ध% ऐसे ही दुर्लभ साहित्य-मनीषी थे।

25 जुलाई को उनके देहावसान का एक वर्ष पूर्ण हो रहा है। समय की दृष्टि से यह केवल एक वर्ष है, किंतु जिन्होंने उन्हें निकट से जाना, उनके लिए यह जैसे एक युग का अंतराल है। नियति ने उन्हें जन्मशती का वर्ष देखने से कुछ महीने पहले ही अपने आंचल में समेट लिया। परंतु जीवन की सार्थकता वर्षों की संख्या से नहीं, उन विचारों से मापी जाती है जो समय के पार भी जीवित रहते हैं। इस कसौटी पर देखें तो %विदग्ध% जी आज भी हमारे बीच उसी आत्मीयता से उपस्थित हैं।

वे उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे जिसने इतिहास को केवल पढ़ा नहीं, जिया था। उन्होंने पराधीन भारत की घुटन देखी, स्वतंत्रता का उषाकाल देखा और आधुनिक भारत का निर्माण भी अपनी आँखों के सामने होते देखा। एक सुई पर लिखा मेड इन इंग्लैंड भी देखा और उसी भारत को अंतरिक्ष में अपना परचम फहराते भी देखा। घोड़े पर डाक लाने वाले डाकिये से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग तक की यह यात्रा उनके जीवन की यात्रा थी। इसलिए उनका साहित्य केवल रचनाओं का संग्रह नहीं, लगभग एक शताब्दी की भारतीय चेतना का जीवंत दस्तावेज़ है।

उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे जितने बड़े साहित्यकार थे, उससे कहीं बड़े मनुष्य थे। उन्होंने कभी अपने ज्ञान का प्रदर्शन नहीं किया। उनके भीतर विद्वत्ता का वैभव था, पर बाहर विनम्रता का प्रकाश। सादा जीवन, उच्च विचार—यह उनके लिए कोई आदर्श वाक्य नहीं था; यह उनका सहज स्वभाव था। वे जितना बोलते थे, उससे कहीं अधिक सुनते थे। जितना लिखते थे, उससे कहीं अधिक पढ़ते थे। और जितना जानते थे, उससे कहीं अधिक सीखते रहने की जिज्ञासा उनमें जीवन के अंतिम दिनों तक बनी रही। आज के समय में, जब

प्रसिद्धि अक्सर साधना से बड़ी दिखाई देने लगी है, %विदग्ध% जी का जीवन एक शांत प्रतिवाद की तरह खड़ा दिखाई देता है। उन्होंने कभी साहित्य को प्रतिष्ठा अर्जित करने का माध्यम नहीं बनाया; उन्होंने साहित्य को जीवन का धर्म माना। वे मंचों की भीड़ से दूर रहे, किंतु हिंदी साहित्य के गंभीर पाठकों के बीच उनकी प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ती रही।

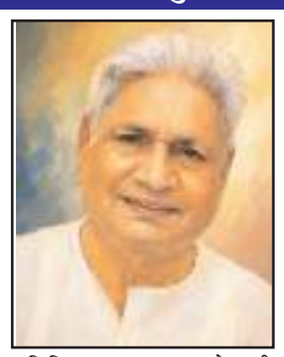

उनकी रचनाओं का मूल स्वर मनुष्य को बेहतर बनाने का स्वर है। उनका राष्ट्रप्रेम किसी राजनीतिक आग्रह से नहीं, भारतीय सांस्कृतिक चेतना से उपजा था। उनकी आध्यात्मिक दृष्टि संसार से विमुख होने की नहीं, संसार को अधिक मानवीय बनाने की दृष्टि थी। यही कारण है कि उनकी कविता में राष्ट्र है, किंतु उग्रता नहीं; अध्यात्म है, किंतु पलायन नहीं; करुणा है, किंतु दुर्बलता नहीं; आशा है, किंतु भ्रम नहीं। उनकी अमर प्रार्थना 卐माँ वीणापाणि卐 वस्तुत: उनके समूचे जीवन-दर्शन का सार है। वे अपने लिए कुछ नहीं माँगते। वे मनुष्य के लिए विवेक माँगते हैं, समाज के लिए सद्भाव माँगते हैं और विश्व के लिए शांति। यह कविता आज के अशांत समय में केवल एक वंदना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक घोषणा-पत्र की तरह प्रतीत होती है। यदि उनके साहित्यिक व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष चुनना हो तो निस्संदेह वह उनका अनुवाद-कर्म होगा। उन्होंने स्वयं कहा था—卐अनुवाद का काम दो भाषाओं का सेतु होता है और अनुवादक इस सेतु का निर्माणकर्ता।卐 यह वाक्य उनके जीवन का दर्शन था। उन्होंने संस्कृत के अमर काव्यों—भगवद्गीता, मेघदूतम् और रघुवंशम्—का केवल हिंदी रूपांतरण नहीं किया; उन्होंने उनके सौंदर्य, लय, संवेदना और आत्मा को हिंदी में पुनर्जीवित किया। वे मानते थे कि शब्दों का स्थानांतरण अनुवाद नहीं होता; अनुवाद वह है जिसमें मूल रचनाकार की आत्मा दूसरी भाषा में भी उसी गरिमा से साँस ले सके। यही कारण है कि उनके अनुवादों को विद्वानों ने 卐परकाया प्रवेश卐 कहा। उनकी इस अद्वितीय साधना के लिए उन्हें भारतीय भाषा परिषद, नई दिल्ली का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय %गार्गी सम्मान% प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी सहित अनेक संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया। किंतु सम्मान उनके व्यक्तित्व का परिचय नहीं थे; उनका परिचय उनकी साधना थी।

कुछ लोग पुस्तकें लिखते हैं।

कुछ लोग इतिहास लिखते हैं। और कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अपने पूरे जीवन से आने वाली पीढ़ियों के लिए एक पुल बना जाते हैं , प्रगति पथ पर बढ़ने के लिए।

प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध ऐसे ही एक सेतु-पुरुष थे।

प्रेषिका –--

डॉ.मुकुल तिवारी मुकुल, जबलपुर

जबलपुर। महाराजपुर में गुरूवार को एक शिक्षिका अपनी सास के खाते से रूपए निकालने एटीएम गई थी, जहां अज्ञात युवक ने झांसा देकर उसका एटीएम बदल दिया और उसके जाने के बाद खाते से 39 हजार रूपए निकालकर चंपत हो गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात युवक की छानबीन कर रही है। अधारताल पुलिस ने बताया कि महाराजपुर पटेल नगर निवासी शिवानी शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्राईवेट स्कूल में शिक्षिका है।

आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूरिया ने कहा

लड़ाई चुनावी हार जीत की नहीं बल्कि लोकतंत्र की रक्षा की है

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संस्कारधानी जबलपुर में आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक विक्रांत भूरिया ने पत्रकार वार्ता आयोजित की. इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे.

पत्रकार वार्ता के दौरान विक्रांत भूरिया ने मुख्य रूप से संविधान की रक्षा और राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को असंवैधानिक तरीके से निरस्त किए जाने के गंभीर मुद्दे को जोरशोर से उठाया. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में व्यक्तिगत रूप से एक स्वतंत्र इलेक्शन पिटीशन दायर की गई है, जिसे अदालत द्वारा स्वीकार भी कर लिया गया है. इसके अलावा उन्होंने केन-बेतवा जल परियोजना के सर्वे में भारी खामियों, विस्थापितों को मुआवजा न मिलने, ग्राम सभाओं की अनुमति के बिना कार्य होने और फर्जी अंगूठा निशान लगाने जैसे संगीन मामलों पर सरकार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने दो टूक कहा कि यह लड़ाई सिर्फ एक चुनाव की नहीं बल्कि पूरे देश में लोकतंत्र और जनता के अधिकारों

को बचाने की एक बहुत लंबी लड़ाई है जिसे हर स्तर पर लड़ा जाएगा.

हाईकोर्ट पहुंचा नामांकन रद्दीकरण का मामला

विक्रांत भूरिया ने चर्चा करते हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को पूरी तरह से असंवैधानिक तरीके से खारिज किए जाने का गंभीर आरोप लगाया. उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में इस प्रकार की मनमानी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों पर सीधा हमला है. इस अन्याय के खिलाफ कानूनी और संवैधानिक उपाय अपनाते हुए जबलपुर हाईकोर्ट में व्यक्तिगत रूप से एक स्वतंत्र इलेक्शन पिटीशन दाखिल कर दी गई है जिस पर अदालत ने सुनवाई के लिए सहमति दे दी है. उन्होंने विश्वास जताया कि न्यायपालिका के माध्यम से इस मामले में सच्चाई सामने आएगी और लोकतंत्र के साथ होने वाले खिलवाड़ का पर्दाफाश होगा.

केन-बेतवा परियोजना और मुआवजे में भ्रष्टाचार का काला सच

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केन-बेतवा लिंक जल परियोजना को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए. नेताओं ने आरोप लगाया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के सर्वे कार्य में भारी खामियां हैं और प्रभावित विस्थापितों को आज तक उचित मुआवजा राशि नहीं मिल पाई है. स्थानीय जनता को दरकिनार कर सभी कार्य ग्राम सभाओं की अनिवार्य अनुमति के बिना ही धड़ल्ले से आगे बढ़ाए जा रहे हैं. वन अधिकार कानून का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है जिससे आदिवासी समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है.

फर्जी अंगूठा निशान घोटाला, हिला प्रशासनिक तंत्र

प्रेस कांफ्रेंस में अंगूठा चोरी घोटाले का मामला भी उठाया गया. आरटीआई से प्राप्त पुख्ता दस्तावेजों का हवाला देते हुए यह बड़ा पर्दाफाश किया गया कि सरकारी योजनाओं और दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा करने के लिए मृत व्यक्तियों तक के अंगूठे लगवाए गए हैं. इस गंभीर अनियमितता ने स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदारों की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर भी नेताओं ने अपनी गहरी चिंता जाहिर की और जनता से आह्वान किया कि वे ऐसे भ्रष्ट और तानाशाही तरीकों के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं ताकि आम आदमी के बुनियादी अधिकारों की प्रभावी रक्षा की जा सके.

घात लगाकर बैठे साले ने जीजा की कमर में घोंपा चाकू हालत गंभीर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। यादव कॉलोनी पुलिस चौकी के अंतर्गत कछपुरा ब्रिज के समीप गुरुवार को पुरानी रंजिश के चलते एक जीजा पर उसके ही साले ने अचानक चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया हैए जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसारए मदन महल स्थित शिवनगर निवासी संतोष ठाकुर ;28 वर्षद्ध अपना काम निपटाकर घर लौट रहा था। जैसे ही वह यादव कॉलोनी चौकी के पास कछपुरा ब्रिज के समीप पहुंचाए वहां पहले से घात लगाकर बैठे उसके साले पीयूष ने पुरानी रंजिश को लेकर उस पर अचानक हमला बोल दिया। आरोपी ने संतोष की कमर में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिएए जिससे चाकू गहराई तक धंस गया और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल संतोष को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल घायल की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही लॉर्डगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायल के बयान दर्ज किए। पुलिस ने आरोपी पीयूष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अधारताल क्षेत्र में पुलिस ने पकड़े तीन लुटेरे, लूट की वारदातों का खुलासा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित अधारताल क्षेत्र में हो रही लूट की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तीन बदमाशों को पकड़ा है. जो आए दिन लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल फोन, घटना में उपयोग की गई बाइक व चाकू बरामद किया है.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अधारताल क्षेत्र के दो स्थानों पर हुई लूट की वारदात के बाद पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश में जुटी रही, इस दौरान तीन युवकों की गतिविधियों के बारे में पता चला, जिसपर पुलिस ने तीनों को क्षेत्र में संदिग्ध हालत में घूमते हुए पकड़ा, जिन्होने पूछताछ में लूट की वारदातें करना स्वीकार किया. पुलिस ने आरोपियों से लूट की दो वारदातों का खुलासा किया है. पुलिस ने मामले में कुनाल पिता भग्गू कोल उम्र 19 वर्ष निवासी शंकर टोला महाराजपुर अधारताल, छोटू उर्फ अभिषेक पिता सुदर्शन चौधरी 22 वर्ष निवासी पटेल नगर महाराजपुर अधारताल व तुषार रजक लीलाधर रजक 25 साल निवासी बस्ती नंबर 02 अमखेरा गोहलपुर को पकड़कर पूछताछ की, जिन्होने लूट की वारदातें करना स्वीकार किया है.

आरोपियों ने 17 जुलाई की रात दस बजे अमित खटीक

दो दिनों से गायब वयोवृद्ध महिला का शव नर्मदा तट पर मिला

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भेड़ाघाट के चौकी ताल की एक 76 वर्षीय महिला का शव नर्मदा नदी के तट पर मिला। पुलिस ने मृतिका की पहचान ए कुसुम बाई के रूप में की है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मेडिकल भेजा है।

भेड़ाघाट पुलिस ने बताया कि मृतिका कुसुम बाई अक्सर नर्मदा नदी में स्नान करने जाया करती थीं। दो दिन पहले भी वह घर से स्नान के लिए निकली थीं। उसके बाद वह वापस नहीं लौटी थी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चलने पर भेड़ाघाट में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। भेड़ाघाट में श्रद्धालुओं ने महिला के शव को देखकर पुलिस को दी सूचना थी। शाम करीब 6 बजे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी और परिजनों को बुलवाकर शव की शिनाख्त कराई थी।

भेड़ाघाट थाने के सहायक उपनिरीक्षक फूलकुमार कौरव ने बताया कि शव का गुरूवार को मेडिकल अस्पताल पीएम किया गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चाय दुकान की आड़ में लिखी जा रही थी सट्टा-पट्टी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बेलबाग थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटकर ने बताया कि गुरूवार को मुखबिर की सूचना पर पाण्डे अस्पताल के सामने संगम चाय की दुकान के पास अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिख रहे व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ पर उसने अपना नाम अच्छेलाल चौधरी, हनुमानताल, विजय कुमार गुप्ता, कोतवाली, प्रदीप कोरी, घमापुर एवं संजय जैन, शांतिनगर गोहलपुर बताया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से क्रमशः 5 नग सट्टा पट्टी तथा नगदी 3 हजार 120 रूपये, 5 नग सट्टा पट्टी एवं 2 हजार 180 रूपये, 4 नग सट्टा पट्टी एवं 2 हजार 350 रूपये तथा 3 नग सट्टा पट्टी व नगदी 2 हजार 640 रूपये जप्त किये।

दो गुटों में खूनी संघर्ष, रानीताल गेट नंबर 2 के पास चले चाकू, एक गंभीर रूप से घायल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मदन महल थाना क्षेत्र के रानीताल चौक स्थित 2 नंबर गेट के पास पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के युवकों के बीच चाकूबाजी हो गई। घटना में दोनों पक्षों के युवक घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मदन महल थाने के एसआई प्रमोद पांडे के अनुसार, रानीताल चौक के पास दो पक्षों के लड़कों के बीच विवाद हुआ था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि कुछ युवक बालिग और कुछ नाबालिग हैं। विवाद के दौरान चाकू से हमला किए जाने की बात सामने आई है।

घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया, जहां से एक घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। हालांकि, वह मेडिकल कॉलेज न जाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती हो गया। पुलिस को उसकी मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों के घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। प्रारंभिक जांच में दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद होने की जानकारी सामने आई है। सभी युवक छात्र बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 162/ 2026-27 - दिनांक 23.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती कुसुम कली कुशवाहा, पति श्री राज कुमार कुशवाहा** ने भवन क्रं. 1715/3 पिन क्र. 1000372167 **वार्ड क्र. 68, वार्ड गोकलपुर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती मंजुला राजपूत, पति स्व. श्री संजीव राजपूत, भूतल 375 व.फु. सी.सी., **नाजूल विक्रयपत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में **काबिज नामातंरण** हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 161/ 2026-27 - दिनांक .....

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री हरीश कुमार दुबे, पति श्री बरमेश्वर नाथ दुबे** ने भवन क्रं. 1914/4 ए पिन क्र. 1000373155 **वार्ड क्र. 68, वार्ड गोकलपुर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री पुष्पेन्द्र सिंह बैस, पिता श्री इन्द्रभान सिंह बैस, क्षेत्रफल 1200 व.फु., भूतल 850 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 550 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 159/ 2026-27 - दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती मंजूबाला, पति- नवनीत कुमार आनंद** ने भवन क्रं. 8/46 पिन क्र. 1002259903 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती सरिता दुबे, पति - चन्द्रप्रकाश दूबे, भूतल 900 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 299/ 2026-27 - दिनांक .....

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री राहुल देव तिवारी, पिता- तीरथ प्रसाद तिवारी** ने भवन क्रं. 529 का भाग पिन क्र. 1000416890 **वार्ड क्र. 62, वार्ड भीमराव अम्बेडकर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री तीरथ प्रसाद तिवारी, पिता स्व. श्री जागेश्वर प्रसाद तिवारी, प्रथमतल 500 व.फु. , ..., **आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 160/ 2026-27 - दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री राम दिनेश मिश्रा, पिता स्व. श्री इन्द्रपाल मिश्रा** ने भवन क्रं. बेरियर क्रं. 01 पिन क्र. 1002147129 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री तिलकराज हल्दकार, पिता श्री भरत लाल हल्दकार, भूतल 900 व.फु. आर.सी.सी., भूतल 130 व.फु. व्यवसाय आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, शपथपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/ 27/एम/96 दिनांक 24.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री विजय कुमार आहूजा, पिता श्री प्रकाश चन्द्र आहूजा, 2. श्रीमती रेखा आहूजा, पति श्री प्रकाश चन्द्र आहूजा** ने मकान नं. 2897/ बी/ जी/ 1 **वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड,** भूतल 346 व.फु., वेसमेंट- 407 व.फु., मैजनाईन 346 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/ 27/एम/111 दिनांक 23.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती कविता जैन, पति श्री हर्ष कुमार जैन** ने मकान नं. 323 का भाग **वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान वार्ड,** प्रथमतल 468 व.फु., **विक्रयपत्र, शपथ पत्र, खसरे की नकल** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -243 दिनांक 23.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्री कैलाश कु.झारिया, पिता स्व. श्री रामदास झारिया, 2. श्रीमती लीलावती, पति श्री बैनी प्रसाद झारिया, 3. श्रीमती कृष्णा बाई, पति श्री गनेश प्रसाद, 4. श्रीमती गौरा, पति श्री प्रदीप कुमार, 5. श्रीमती चंदा बाई, पति स्व. श्री गोविन्द प्रसाद झारिया, 6. श्री अंकित झारिया, 7. आशीष झारिया, दोनों के पिता स्व. श्री गोविंद प्रसाद झारिया** ने मकान नं. प्लाट नं. 05, सम्पत्ति पिन नं. 1000504439 **वार्ड वीर सावरकर- 07 वार्ड ,** क्षेत्रफल 8880 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र, न्यायालय आदेश, खसरा पी-1, पी-2,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -242 दिनांक 23.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री साहिल श्यामनानी, पिता श्री हरीश कुमार श्यामनानी** ने मकान नं. 27, सम्पत्ति पिन नं. 9000232461 **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** क्षेत्रफल 1140 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -238 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्री समीर कुमार जैन, पिता- स्व. श्री अजीत कुमार जैन, 2. श्रीमती प्रेमलता जैन, पति स्व. श्री अजीत कुमार जैन** ने मकान नं. 575/अ, सम्पत्ति पिन नं. 1000618112 **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** क्षेत्रफल 1300 व.फु., भूतल 676 व.फु., प्रथमतल 675 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -240 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री सत्यनारायण अग्रवाल, पिता- स्व. श्री राधा किशन अग्रवाल** ने मकान नं. 640 सम्पत्ति पिन नं. 1000617351 **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** भूतल 1112 व.फु., **बटवारानामा, खसरा पी-1, पी-2** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -241 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज श्रीमती संगीता चौधरी, पति- श्री सुरेन्द्र चौधरी** ने मकान नं. 1794/2 सम्पत्ति पिन नं. 1000480196 **वार्ड रानी दुर्गावती वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1235 व.फु., भूतल 600 व.फु., **शपथ पत्र, चुकतानामा** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -239 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री जवाहर अग्रवाल, पिता- स्व. श्री राधा किशन अग्रवाल** ने मकान नं. 640 का भाग सम्पत्ति पिन नं. 1000617351 का भाग **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** भूतल 790 व.फु., **बटवारा नामा, खसरा पी-1-पी-2** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096